(पौष माह) वर्ष-10, अंक 206, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज शनीवार 26 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

10

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

पंचायती राज विभाग को मिले 11 नए ग्राम पंचायत अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यो को धरातल पर उतारने के लिए शासन की तरफ से सोनभद्र में 11 नए ग्राम पंचायत अधिकारी की नियुक्ति की गई है। हालांकि अभी इन ग्राम विकास अधिकारियों को ग्राम पंचायत आवंटन नहीं हुआ है। अभी ये अंडर ट्रेनिंग काम करेंगे। जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने बताया कि विभाग में 11 नए ग्राम पंचायत अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसमें शनिकुमार, आकांक्षा जायसवाल, फूल सिंह, रामसेवक, राजकिशोर, अमित पटेल, अंकित सिंह, सचिन गिरी, विनय यादव, दीपक यादव, सुनील कुमार को ग्राम पंचायत अधिकारी के रूप में चयन किया गया है।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा फर्जी आई0एस0टी0पी0 प्रपत्र बनावाकर उपखनिजों का अवैध खनन/ परिवहन करने में संलिप्त 01 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रावटसगंज सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) तथा क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 24.10.2024 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 653/2024 धारा 61(2)क, 318(4), 319(2), 336(2), 338, 340(2), 303(2), 317(2) बी0एन0एस 2023 व 3(1)58/72(6) उ0प्र0 उपखनिज नियमावली व 4/21 खान खनिज व 3 सार्वजनिक सम्पत्ति निवारण अधिनियम में वांछित अभियुक्त संदीप जिन्दल पुत्र स्व0 कैलाश चन्द्र जिन्दल निवासी राम मदिंर कालोनी ओबरा जनपद सोनभद्र को उरमौरा तिराहा जायसवाल ढाबे के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तारी करने वाली टीम उ0नि0 कमल नयन दूबे थाना राबर्ट्सगंज,आरक्षी लवकुश खरवार,मु0 आरक्षी सुरेश कुमार यादव, शामिल रहे।

वार्डों की सफाई को लेकर नपा अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र के अंबेडकर नगर वार्ड 11 में गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा निरीक्षण कर साफ सफाई संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि दीपावली एवं छठ को मध्य नजर रखते हुए नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों में साफ सफाई नालियों की सफाई मंदिरों के आसपास गंदगी की सफाई को लेकर गंभीरता दिखाते हुए सभी कर्मचारियों को कड़े दिशा निर्देश दिए गए हैं किसी भी दशा में किसी विवाद की नाली व सड़क पर गंदगी ना दिखे जिसको लेकर गंभीरता दिखाएं कर्मचारी वहीं नपा अध्यक्ष ने बताया कि दीपावली पर्व को लेकर सभी वार्ड के सभासद गण से वार्ता की गई है किसी भी प्रकार की समस्या साफ-सफाई संबंधित हो तो तत्काल उपलब्ध कारण जिससे कि उनके वार्डो की साफ सफाई किया जा सके इस मौके पर अजीत सिंह अनवर अली अजय गुप्ता अमित दुबे आकाश रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

थाना क्षेत्र में मानव तस्करी रोधी इकाई,चलाया गया अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि बाल भिक्षावृत्ति करते हुये पाए जाने वाले बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने हेतु प्रत्येक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए प्रभावी कार्य योजना पर कार्य गतिमान है। वहीं जनपद में बाल भिक्षावृत्ति पर रोक लगाते हुए कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है। नीलू द्वारा बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण से सम्बंधित सूचना तत्काल चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर सूचित कर सकत है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी पुनीत टण्डन द्वारा बताया गया की मिशन शक्ति 5.0के अंतर्गत यह विशेष जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान जनपद स्तर पर संयुक्त टीम द्वारा चलाई जा रही है। रेस्क्यू टीम मे जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से नीलू यादव प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई से मुख्य आरक्षी धनंजय यादव एवं आरक्षी पंकज कुमार उपस्थित रहे।

जनपद में मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट के संयुक्त टीम द्वारा थाना चोपन अन्तर्गत रेलवे स्टेशन, कस्बा सहित विभिन्न स्थानो पर मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति रोकहेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत दो बच्चों को बाल भिक्षा वृत्ति से कराया गया मुक्त। इस दौरान

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

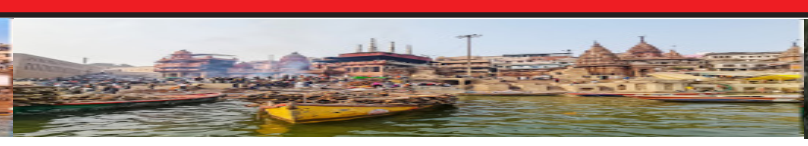

रसोईया संघ ने अपनी मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।-माध्यमिक भारतीय रसोईया वेलफेयर एसोसिएशन उ0प्र0 के द्वारा -सोनभद्र के रामलीला मैदान में 1 दिवसीय धरना प्रदर्शन कर 5 सूत्रीय मांग पत्र सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय के माध्यम से मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार को प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित तैयब अंसारी जो संगठन के संस्थापक एवं संरक्षक ने कहां कि प्रदेश सरकार विद्यालयों में कार्यरत रसोईयों के साथ सदैव सौतेला व्यवहार कर रही है। मा0 उच्च न्यायालय द्वारा बार-बार स्थायी करते हुए न्यूनतम मानदेय देने का केन्द्र व प्रदेश सरकार को निर्देशित किया जा रहा है परन्तु डबल इंजन की सरकार मौन साध रखी है। अंसारी ने केन्द्र व प्रदेश सरकार से निम्नांकित मांग करते हुए कहा कि उ0प्र0 के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोईयों को स्थायी कराते हुए भारत सरकार के श्रम विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदेय दिलाने हेतु शासनादेश जारी किया जाय। प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के रिक्त पदों पर रसोईयों का चयन शासनादेश निदेशक मध्यान भोजन प्राधिकरण उ0प्र0 लखनऊ/ बेसिक शिक्षा अनुभाग-4 दिनांक-22 सितम्बर, 2021 के तहत नियुक्ति किये जाने हेतु पुनः आदेशित किया जाय। उ0प्र0 के सभी परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोईयों का सेवा काल 65 वर्ष एवं संवाकाल समाप्त होने पर 10 हजार रूपये मासिक पेंशन, 10 लाख ग्रेच्युटी निष्कासित कार्यरत रसोईयों के स्थान पर उनके ही परिवार के लोगों का नियमानुसार चयन किया जाय। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोईयों का 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, 14 आकस्मिक अवकाश, 90 दिन का मातृत्व अवकाश, न्याय पंचायत स्तर पर रसोईयों का स्थानान्तरण, नवीनीकरण के नाम पर रसोईयों को हटाना व मध्य शिक्षा सत्र में रोक लगाया जाय। उत्तर प्रदेश के समस्त सम्मानित कार्यरत रसोईयों का 6 माह से रूका हुआ मानदेय दिलवाने के साथ ही साथ आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को खाना बताने वाली सभी रसोईयों का 1 वर्ष से बकाया धनराशि जोड़कर भुगतान कराये जाने का आदेश निर्गत किया जाय। तथा कहां कि प्रदेश के रसोईयों के भोजन बनाने वाले रसोईयों का 2 अक्टूबर तक भुगतान नहीं किया जाता है। धरना-प्रदर्शन में मुख्य रूप से धनशु प्रसाद, लालती, ज्ञानती देवी, फुलवन्ती देवी, कबुतरी देवी, अनिता देवी, सुनिता, कौशिल्या, भगवानदास सहित सैकड़ों रसोईया उपस्थित थे।

प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजनानुसार लाभार्थियो को दो सिलेंडर निशुल्क उपलब्ध होगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम चरण में माह अक्टूबर 2024 से दिसम्बर 2024 तथा द्वितीय चरण जनवरी 2025 से मार्च, 2025 तक लाभार्थियों को पूर्णतया 02 निःशुल्क एल0पी0जी0 सिलेण्डर रिफिल वितरण किया जाना है उज्ज्वला योजना के तहत सर्वप्रथम लाभार्थी अपने स्तर से प्रचलित उपभोक्ता दर के अनुसार भुगतान कर 14.2 कि0ग्रा0 का सिलेण्डर रिफिल प्राप्त करेगा। उपभोक्ता द्वारा भुगतान की गई धनराशि 03 से 04 दिन के उपरान्त योजनान्तर्गत दिये जाने वाली सब्सिडी उनके आधार प्रमाणित खाते में ऑयल कम्पनियों द्वारा अन्तरित की जा रही है। निशुल्क रिफिल का नाम ही लाभार्थियों को प्राप्त होगा जिनका ई0के0वाई0सी0 पूर्ण है। जिन लाभार्थियों के आधार प्रमाणित नहीं है उनका आधार प्राणित जैसे-जैसे होते जायेगें उसी क्रम में उन्हें निशुल्क सिलेण्डर प्राप्त होता रहेगा। प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वाता प्राप्त निर्देशों के अनुपालन के क्रम में सभी उज्ज्वला के लाभार्थियों को उद्घोषित निःशुल्क रिफिल का लाभ प्राप्त हो सके जिसके लिए जनपद में संचालित समस्त गैस एजेन्सियां अपने से सम्बन्धित उज्ज्वला लाभार्थियों से समन्वय स्थापित करते हुए उनका ई0के0वाई0सी0 पूर्ण करायें जिससे कि समस्त उज्ज्वला के लाभार्थियों को नियमानुसार निःशुल्क रिफिल से लाभान्वित किया जा सके। जनपद के समस्त उज्ज्वला के लाभार्थी वे अपने से सम्बन्धित गैस एजेन्सी से सम्पर्क करते हुए ई0के0वाई0सी0 न होने की दशा में ई0के0वाई0सी0 कराते हुए निःशुल्क रिफिल का लाभ उठायें।

फर्जी प्रपत्र बनावाकर अवैध खन्न/परिवहन करने में गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय)कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी नगर डॉ चारु द्विवेदी के पर्यवेक्षण में गुरुवार को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत विभिन्न धाराओं सहित उ0प्र0 उपखनिज नियमावली व 4/21 खान खनिज व 3 सार्वजनिक सम्पत्ति निवारण अधिनियम में वांछित अभियुक्त संदीप जिन्दल पुत्र स्व0 कैलाश चन्द्र जिन्दल निवासी राम मंदिर कालोनी ओबरा जनपद सोनभद्र को उरमौरा तिराहा जायसवाल ढाबे के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में 1. चौकी कस्बा प्रभारी कमल नयन दूबे ,आरक्षी लवकुश खरवार , आरक्षी सुरेश कुमार यादव आदि लोग रहें।

रक्षा मंत्री ने धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के संस्थापक योग गुरु आचार्य अजय को पद्म विभूषण अवार्ड से सम्मानित कराने की पहल की शुरू रमाशंकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दिल्ली में स्थित आवास पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के योग गुरु आचार्य अजय कुमार पाठक समेत अन्य सदस्यों ने मुलाकात की। इस दौरान योग गुरु ने उनके संस्थान एवं स्वयं उनके माध्यम किये गए कार्यों को रक्षा मंत्री को दिखाते हुए भारत सरकार के उत्कृष्ट पुरस्कार पदम् विभूषण आवर्ड से सम्मानित कराने की मांग की। समाजसेवी रमाशंकर दुबे ने बताया कि रक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही भारत सरकार की 14 कमेटी सदस्यों के समक्ष आचार्य अजय पाठक के नाम पदम् विभूषण आवर्ड के लिए भेजा जाएगा। समाजसेवी श्री दूबे ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिं द्वारा धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के सदस्यों को राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए बधाई देना सोनभद्र के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। साथ ही योग गुरु आचार्य अजय पाठक को शीघ्र ही पद्म विभूषण पुरस्कार से भारत सरकार की ओर से सम्मानित किए जाने की पहल ने लोगों में उत्साह का संचार किया है। उधर योग गुरु अजय कुमार पाठक ने बताया कि 30 नवम्बर 2024 को ओबरा में होने वाले योग महोत्सव में आयुष मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री और मिर्जापुर के कमिश्नर की उपस्थिति महोत्सव को और भी खास बनाएगी। यह महोत्सव योग के क्षेत्र में ओबरा की बढ़ती हुई प्रतिष्ठा का प्रमाण है। रक्षा मंत्री से मुलाकात करने में समाजसेवी रमेश सिन्ह, पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष अनिल यादव, नीरज श्रीवास्तव, समीर पाठक शामिल रहे।

मा0 उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य जी के जनपद आगमन पर हुआ स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मा0 उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य जी का आज जनपद में भाऊराव देवरस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुद्धी में हेलीकाप्टर से आगमन हुआ, इस अवसर पर मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने परेड की सलामी ली, मा0 उप मुख्यमंत्री जी के आगमन पर जिलाधिकारी बी एन सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता ने पुष्पगुच्छ देकर मा0 उप मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया, इस दौरान जनपद के सम्मानित जनप्रतिनिधिगण ने भी स्वागत व अभिनन्दन किया।

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त के कब्जे से कुल 1.230 कि0ग्रा0 गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन मे जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा आज दिनांक 24.10.2024 को समय 01.50 बजे पंवर तिराहे से अभियुक्त इन्द्रजीत कुमार पुत्र कोमल यादव निवासी ग्राम डुमरकोन थाना चैनपुर जनपद भभुआ बिहार उम्र लगभग 22 वर्ष के कब्जे से कुल 1.230 कि0ग्रा0 गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-806/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी ।**गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण-** इन्द्रजीत कुमार पुत्र कोमल यादव निवासी ग्राम डुमरकोन थाना चैनपुर जनपद भभुआ बिहार उम्र लगभग 22 वर्ष। **बरामदगी का विवरण-** अभियुक्त के कब्जे से 1.230 कि0ग्रा0 गांजा । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 01. उ0नि0 बृजेश कुमार दूबे, थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 02. हे0का0 पंकज राय थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 03. का0 सचिन सरोज थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

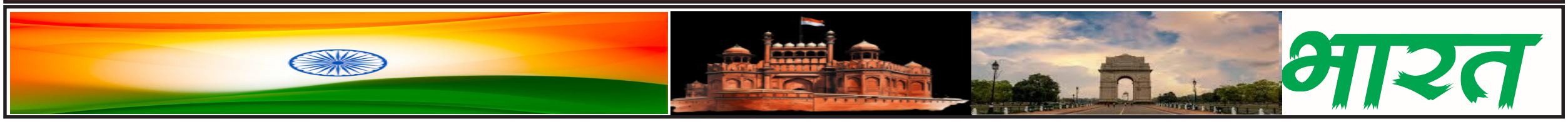

भारत

संक्षिप्त समाचार

सब्जी बेचने वाला भेजता था सलमान खान को धमकी भरे मैसेज, मुंबई पुलिस ने जमशेदपुर से किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में मुंबई पुलिस ने झारखंड के जमशेदपुर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सब्जी विक्रेता के तौर पर हुई है। बॉलीवुड अभिनेता सलमान

खान को धमकी भरे मैसेज भेजने मामले में मुंबई पुलिस ने झारखंड के जमशेदपुर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जमशेदपुर के सब्जी विक्रेता के तौर पर हुई है। बता दें कि बीते सप्ताह मुंबई ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर अभिनेता से 5 करोड़ रुपये की मांग करने वाला एक धमकी भरा मैसेज आया था, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले में मुंबई पुलिस ने जमशेदपुर की स्थानीय पुलिस की मदद से जांच की और बुधवार को मैसेज भेजने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने झारखंड में धमकी भरे मैजेस आने वाले नंबर को ट्रैक किया और आरोपी को पकड़ने के लिए टीमें भेजी गईं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में आया नया मोड़, मुंबई पुलिस ने तीन और आरोपी को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अभी तक इस मामले में 14 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई पुलिस ने बुधवार को तीन और आरोपियों को पुणे से गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तीन आरोपियों में रूपेश राजेंद्र मोहोल (22), करण राहुल साल्वे (19) और शिवम अरविंद कोहाड़ (20) को गिरफ्तार किया गया है। मामले में उनकी संलिप्तता साबित हो गई है। जिसके आधार पर उनकी गिरफ्तार हुई है।

बढ़ते ऑनलाइन धोखाधड़ी पर शिकंजा कसेगी गृह मंत्रालय, राज्यों में खोले जाएंगे साइबर कमांडों की विशेष शाखाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देशभर में लगातार बढ़ते साइबर अपराध पर शिकंजा कसने के लिए गृह मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिसको लेकर मंत्रालय अगले पांच वर्षों में 5,000 साइबर कमांडो तैयार करने की योजना बना रहा है। साइबर कमांडो विंग पुलिस संगठन का अभिन्न अंग होगा और इसे राष्ट्रीय संसाधन

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को साइबर कमांडो की एक विशेष शाखा स्थापित करने को कहा है।गृह मंत्रालय ने बढ़ते साइबर खतरों के बीच सभी राज्यों को साइबर कमांडो की एक विशेष शाखा स्थापित करने को कहा है। बढ़ते साइबर खतरों और साइबर रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के बाद भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की ओर से यह निर्णय लिया गया। बीते एक हफ्ते में भारतीय विमानन कंपनियों को 170 से अधिक फर्जी बम धमकियां मिलीं। इनमें अधिकांश सोशल मीडिया पर दी गई। ये खाते वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) या डार्क वेब ब्राउजर का इस्तेमाल करके बनाए गए थे और जांच एजेंसियां इन्हें पकड़ नहीं पाई।गृह माना जाएगा। आदेश में कहा गया कि संभावित साइबर कमांडो का चयन राज्यों, संघ शासित प्रदेशों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के विभिन्न पुलिस संगठनों में कार्यरत कर्मियों में से किया जाएगा। जनवरी 2023 और 2024 में हुई डीजीपी, एलजीपी सम्मेलन में पीएम मोदी ने 'साइबर कमांडो' की विशेष शाखा स्थापित करने की सिफारिश की थी। ब्यूरो ये कमांडो अपने मूल संगठन के लिए काम करेंगे और उनसे अपेक्षा की जाएगी कि उन्हें डिजिटल फोरेंसिक, घटना प्रतिक्रिया और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में प्रशिक्षण के दौरान विकसित विशेषज्ञता के अनुसार भूमिकाएं सौंपी जाएंगी।

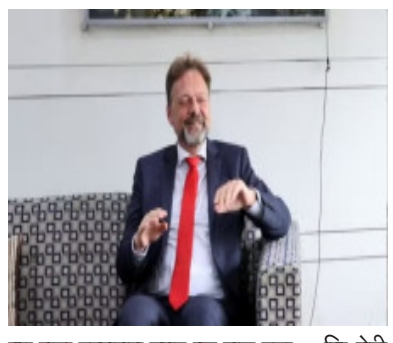

तीन दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे जर्मन चांसलर शोल्ज, पीएम मोदी के साथ होगी बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएम मोदी और जर्मन चांसलर शोल्ज 25 अक्तूबर को सातवें अंतर सरकारी परामर्श (आईजीसी) की सह-अध्यक्षता के साथ उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ मंत्री भी मौजूद होंगे। संपूर्ण सरकारी फ्रेमवर्क आईजीसी के तहत दोनों पक्षों के मंत्री अपने-अपने जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में चर्चा

करेंगे। आईजीसी परामर्श के दौरान चांसलर शोल्ज के साथ उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ मंत्री भी मौजूद होंगे। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज रक्षा बृहस्पतिवार यानी आज तीन दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे। इस दौरान वे व्यापार, हरित ऊर्जा, द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। शोल्ज इससे पहले बीते साल दो बार भारत यात्रा पर आए थे। वे बीते साल फरवरी में द्विपक्षीय राजकीय यात्रा और सितंबर में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे। पीएम मोदी और जर्मन चांसलर शोल्ज 25 अक्तूबर को सातवें अंतर सरकारी परामर्श (आईजीसी) की सह-अध्यक्षता करेंगे। आईजीसी परामर्श के दौरान चांसलर शोल्ज करते हैं और विचार-विमर्श के नतीजों पर प्रधानमंत्री और चांसलर को रिपोर्ट करते हैं। विदेश मंत्रालय ने हाल ही में उनकी भारत यात्रा को लेकर एक बयान जारी किया था। इसमें कहा गया था कि शोल्ज पीएम मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस दौरान दोनों पक्षों के नेता सुरक्षा और रक्षा सहयोग, प्रतिभा के लिए अवसरों, आर्थिक सहयोग, हरित और सतत विकास साझेदारी और उभरती और रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक विकास के मुद्दों पर भी चर्चा होगी। दोनों नेता 25 अक्तूबर को नई दिल्ली में आयोजित जर्मन बिजनेस के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

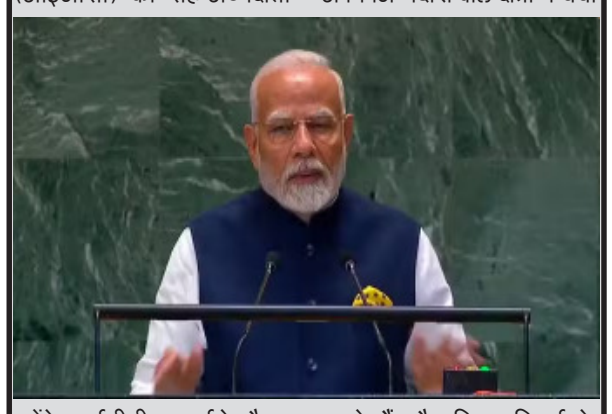

देश के 77 फीसदी बच्चों को नहीं मिल रहा पोषक आहार, मांओं के अशिक्षित होने से भी पड़ रहा असर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चिंताजनकः राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-21 (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों का अध्ययन सामने आया है। जिसमें पाया गया है कि 2005-06 इस्तेमाल करने का सुझाव देता है। जानकारी के अनुसार इसे तब विविधतापूर्ण माना जाता है, जब इसमें मां के दूध, अंडे, फलियां, मेवे, फल और सब्जियों सहित पांच या अधिक खाद्य समूह शामिल होते

में, 87.4 फीसदी लोग विविधता से भरा भोजन नहीं खा रहे थे, हालांकि बीते कुछ सालों में इनमें मामूली सुधार आया है। भारत के 6-23 महीने की उम्र के लगभग 77 फीसदी से अधिक बच्चों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से सुझाया गया पोषक आहार नहीं मिल रहा है। देश के मध्य क्षेत्र में सबसे ज्यादा बच्चे इस न्यूनतम आहार मानक को पूरा नहीं करते हैं। दरअसल, डब्ल्यूएचओ एक बच्चे के आहार की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए न्यूनतम आहार विविधता (एमडीडी) स्कोर हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 80 फीसदी से ज्यादा बच्चों के आहार में विविधता की कमी पाई गई। वहीं, सिक्किम और मेघालय ऐसे दो राज्य थे जहां 50 फीसदी से कम बच्चों में यह समस्या देखी गई। बता दें कि अध्ययन नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया में प्रकाशित हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के लोगों सहित शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-21 (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों का अध्ययन में पाया कि 2005-06 में, 87.4 फीसदी लोग विविधता से भरा भोजन नहीं खा रहे थे, लेकिन 14 वर्षों में इसमें मामूली सुधार आया है। अब 75ज्ञ् से अधिक आबादी विविधता भरा न्यूनतम आहार नहीं लेती है। मांओं के अशिक्षित होने से भी बच्चों पर पड़ रहा असर...शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अशिक्षित और ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांओं के बच्चे जो आंगनवाड़ी या एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) केंद्रों पर परामर्श और स्वास्थ्य जांच के संपर्क में नहीं हैं, उनके विविधता में कमी वाला आहार लेने की संभावना अधिक है। एनीमिक होने या जन्म के वक्त कम वजन वाले बच्चों के भी विविधता वाला आहार न लेने की संभावना बढ़ जाती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, विटामिन ए से भरपूर फलों और सब्जियों की खपत में 7.3ज्ञ् बढ़ोतरी हुई। वहीं, फलों और सब्जियों की खपत में इसी दौरान 13ज्ञ् वृद्धि हुई। हालांकि, मां के दूध और डेयरी उत्पादों की खपत एनएफएचएस-3 के 87ज्ञ् से घटकर एनएफएचएस-5 में 85ज्ञ् पहुंच गई। यह 54ज्ञ् से घटकर 52ज्ञ् हो गई। शोधकर्ताओं ने बच्चों के आहार में विविधता की कमी से निपटने के लिए सरकार से एक व्यापक नजरिया अपनाने की मांग की है। इसके लिए एक बेहतर सार्वजनिक वितरण प्रणाली, गहन एकीकृत बाल विकास सेवा कार्यक्रम, सोशल मीडिया का इस्तेमाल और स्थानीय प्रशासन के जरिये पोषण से जुड़े सुझाव दिए जाने की जरूरत बताई है।

अरिहा को जर्मनी से भारत लाने का प्रयास जारी', एकरमैन बोले विदेश मंत्रालय से कर रहे बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नई दिल्ली में अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि जर्मनी में रह रही अरिहा को वापस लाने

का मुद्दा उच्चतम स्तर पर चल रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही इस बारे में सकारात्मक चीजें होंगी। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने बुधवार को कहा कि जर्मन अधिकारी भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) और युवा अधिकारियों के साथ मिलकर तीन वर्षीय अरिहा के मामले को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। नई दिल्ली में अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि जर्मनी में रह रही अरिहा को वापस लाने का मुद्दा उच्चतम स्तर पर चल रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही इस बारे में सकारात्मक चीजें होंगी। राजदूत ने कहा कि चूंकि बच्ची जर्मन निवासी है। इसलिए हमारी सरकार बच्ची के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कदम उठाएगी। राजदूत एकरमैन ने कहा, 'इस सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को देखने के लिए पालक माता-पिता की ओर से हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता है, और इस आधार पर हम बच्चे के भविष्य के लिए एक संतोषजनक समाधान खोजने के लिए काम करना जारी रखेंगे। इसलिए, इसे उच्चतम स्तर पर उठाया जा सकता है। मुझे लगता है कि मेरी सरकार इसके लिए तैयार है बता दें कि माता-पिता की ओर से शारीरिक शोषण के आरोपों के बाद अरिहा पिछले 36 महीनों से जर्मनी में केयरटेकर की देखभाल में है। अरिहा के माता-पिता भावेश और धारा शाह ठाणे जिले के मीरा भयंदर के निवासी हैं। जो अपनी बेटी को वापस लाने के लिए लड़ रहे हैं। अगस्त में ठाणे के सांसद नरेश म्हास्के ने कहा था कि विदेश मंत्रालय ठाणे जिले की रहने वाली अरिहा की जल्द वापसी के लिए प्रयास कर रहा है।

पहली बार चलाने वाले तपन ने सुनाई दास्तां, कहा-भीड़ इतनी कि दरवाजे नहीं हो रहे थे बंद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोलकाता। मेट्रो को पहली बार चलाने वाले पायलट तपन कुमार से बातचीत की।तपन ने कहा कि उस दिन हम लगातार कोशिश कर रहे थे कि मेट्रो के दरवाजे बंद ट्रेन भवानीपुर पहुंची तो कई यात्री उतरने को तैयार ही नहीं था।तपन कुमार ने बताया कि उनकी मेट्रो

रेलवे में भर्ती के बाद रेलवे की ओर से 6 लोगों को मेट्रो चलाने के लिए चुना गया। कुल दो वर्ष का प्रशिक्षण हुआ था। अधिकतर प्रशिक्षण भारत में ही हुआ। बाकी चार महीने के लिए उनको रूस की राजधानी मॉस्को भेजा गया था। सितंबर 1983 को वे मॉस्को गए थे और जनवरी, 1984 को वे प्रशिक्षण लेकर वापस भारत लौटे। इस दौरान दस ने कहा कि उस दिन हम लगातार कोशिश कर रहे थे कि मेट्रो के दरवाजे बंद हों लेकिन दरवाजे हैं कि बंद ही नहीं हो रहे थे, क्योंकि भीड़ इतनी आ गई थी। देश में पहली बार मेट्रो चल रही थी और हर कोई चाहता था कि वह उसका गवाह बने। कोलकाता मेट्रो बृहस्पतिवार को 40 साल की हो गई है। 24 अक्तूबर 1984 को धर्मतला से सुबह 8:10 पर पहली बार मेट्रो चली थी। पहली मेट्रो को चलाने वाले पायलट तपन हों लेकिन दरवाजे हैं कि बंद ही नहीं हो रहे थे, क्योंकि भीड़ इतनी आ गई थी। देश में पहली बार मेट्रो चल रही थी और हर कोई चाहता था कि वह उसका गवाह बने। धर्मतला मेट्रो स्टेशन पर लोगों की इतनी भीड़ थी कि उनको संभालना मुश्किल हो रहा था। तपन कहते हैं, मुझे व संजय कुमार को सुरक्षा अधिकार किसी तरह अंदर लेकर गए। पहली मेट्रो 3.4 किमी की दूरी तय कर भवानीपुर (अब नेताजी भवन) 8.18 मिनट पर पहुंची। जब दिन का प्रशिक्षण सेंट पीटर्सबर्ग में दिया गया। उन्होंने बताया क्योंकि भारत में पहली बार मेट्रो चल रही थी और वह भी भूमिगत तो उनको भूमिगत मेट्रो का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सिखाया गया कि किस तरह से दरवाजे लॉक करना है, किस गति से मेट्रो को चलान है। और बाकी सावधानियों का प्रशिक्षण दिया गया तपन ने बताया कि पहली बार मट्रो चलाने में किसी तरह की कोई घबराहट या दिक्कत नहीं हुई।

बंगलूरू इमारत हादसे में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगलूरू। बंगलूरू इमारत हादसे में मृतकों व घायलो के लिए पीएम मोदी ने अनुदान राशि की घोषणा की है। जिसमें मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये देने का ऐलान किया है।बंगलूरू के होरमावु अगरा इलाके में मंगलवार को निर्माणाधीन इमारत ढहने से छह लोगों की जान चली गई। जिसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमारत के ढहने की घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी देते हुए लिखा कि बेंगलुरु में एक इमारत के ढहने से हुई जान-माल की हानि से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। मंगलवार को हुए हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि की गई थी, जिसके बाद बुधवार को एक और शव बरामद किया गया, जिससे घटनास्थल से मरने वालों की कुल संख्या छह हो गई। पुलिस के अनुसार, पहले पांच शव बरामद किए गए थे और घटना में पांच लोग घायल हुए हैं। जिसके बारे में बेंगलुरु के अतिरिक्त आयुक्त सतीश कुमार ने मृतकों की पहचान हरमन, त्रिपाल, मोहम्मद साहिल, सत्य राजू और शंकर के रूप में की है। वहीं घायलों की पहचान जगदेवी, रशीद, नागराजू, रमेश कुमार और अयाज के रूप में हुई है। घायलों का बेंगलुरु नॉर्थ अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि एक घायल होसमत अस्पताल में है। बता दें कि इमारत ढहने के मामले में तीन नामजद आरोपियों मुनिराजरेड्डी, मोहन रेड्डी और एलुमलाई के खिलाफ हेनूर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर बीएनएस और रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिसके बाद इमारत मालिक मुनिराजरेड्डी के बेटे भुवन रेड्डी गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में डीसीपी ईस्ट डी देवराज ने बताया कि चार मंजिलों के निर्माण के लिए जिम्मेदार ठेकेदार मुनियप्पा को भी हिरासत में ले लिया गया है।

किंग चार्ल्स के दिल में भारत के लिए विशेष स्थान', राजदूत लिंडी कैमरन ने साझा की यादें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किंग चार्ल्स के

जन्मदिन की पार्टी मनाई गई। इस अवसर पर भारत में ब्रिटिश राजदूत लिंडी कैमरन ने कहा कि किंग चार्ल्स के दिल में भारत के लिए विशेष स्थान है।भारत में ब्रिटिश राजदूत लिंडी कैमरन ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में किंग चार्ल्स घ्घ्घ् का जन्मदिन मनाना शानदार है। उन्होंने कहा कि किंग चार्ल्स के दिल में भारत के लिए विशेष स्थान है। कैमरन ने किंग चार्ल्स की भारत की पिछली यात्राओं को याद किया। उन्होंने कहा कि वह भारतीय संस्कृति से मोहित हैं और उन्हें दिल्ली और मुंबई की अपनी पिछली यात्रा बहुत पसंद आई थी। बता दें कि भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किंग चार्ल्स के जन्मदिन की पार्टी की मेज़बानी की। यह भव्य कार्यक्रम यूके के राष्ट्राध्यक्ष किंग चार्ल्स के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया। इसके साथ ही किंग चार्ल्स की पिछली भारत यात्राओं को याद करते हुए लिंडी कैमरन ने कहा कि वे आधिकारिक कारणों से दस बार भारत आ चुके हैं। हाल ही में 2019 में आएं थे। उन्होंने कहा कि वे भारतीय संस्कृति से मोहित हैं, और मुझे लगता है कि उन्हें दिल्ली और मुंबई की अपनी पिछली यात्रा बहुत पसंद आई होगी। इसलिए मुझे पता है कि यह एक ऐसा देश है जिसका उनके दिल में एक विशेष स्थान है और मुझे लगता है कि यहां आना अद्भुत है। लिंडी कैमरन ने कहा आज का दिन हमारे लिए वाकई खास है। यह वह दिन है जब हम किंग चार्ल्स घ्घ्घ् का जन्मदिन मनाते हैं, और दिल्ली में इतने सारे दोस्तों के साथ ऐसा कर पाना शानदार है। मैं यहां छह महीने से हूं और मैं बेहद खुश हूं। मैं उनके जन्मदिन को मनाने के लिए दिल्ली से ज्यादा दिलचस्प समय पर किसी और देश के बारे में नहीं सोच सकती और निश्चित रूप से महामहिम के दिल में भारत के लिए वाकई खास जगह है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जैसा कि मैंने कहा मैं वास्तव में भारत में रहने का आनंद ले रही हूं और पिछले छह महीनों में लोगों ने जो दोस्ती दिखाई है मैं उसकी वास्तव में सराहना करता हूं।

सीट एक, मुकाबले में 'सेनाएं' तीन; रोमांचक होगी मुठभेड़, जानें कैसी है यहां की चुनावी चौसर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। माहिम विधानसभाः मुंबई की माहिम विधानसभा सीट पर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी चुनाव में सभी सीटों की अपनी-अपनी अहमियत है, लेकिन बात अगर मुंबई की माहिम विधानसभा सीट की करें तो इस विधानसभा

ताल ठोक दी है। इस एक सीट पर तीन सेनाओं के बीच घमासान होना है। जिसमें सत्तारूढ़ शिवसेना, विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) तो राज ठाकरे की मनसे आमने-सामने है। अब दिलचस्प ये देखना होगा की जनता माहिम की कमान किसके हाथों में सौंपती है। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के चलते राज्य की सियासत में जबरदस्त गर्माहट है। 288 विधानसभा सीटों पर होने वाले सीट पर 20 नवंबर को जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी। बात अगर दावेदारी की करें तो सत्तारूढ़ शिवसेना, विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) माहिम का किला फतेह करने के लिए अपना पूरा दम खम दिखा रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने माहिम विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक सदा सर्वणकर पर दांव खेला है। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना ने इस सीट पर महेश सावंत को उम्मीदवार बनाया हैं। वहीं बात अगर महाराष्ट नवनिर्माण पार्टी(मनसे) की करें तो पार्टी ने अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे पर माहिम सीट से चुनावी दांव खेला है। अमित माहिम से अपनी राजनीतिक करियर की शुरुआत करेंगे। उनके सामने तीन बार माहिम से विधायक रह चुके शिवसेना उम्मीदवार सदा सवर्णकर एक बड़ी चुनौती के तौर पर माने जा रहे हैं। इस सीट पर तीनों पार्टियों की गंभीरता को उम्मीदवारों के एलान से साफ तौर पर समझा जा सकता है, जिसके बाद अब देखने वाली बात ये होगी की माहिम की जनता आखिर किस पार्टी को अपने नेतृत्व का कमान सौंपती है। क्या माहिम की जनता शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार महेश सावंत पर भरोसा जताएगी या अमित ठाकरे को माहिम का नेतृत्व करने का पहला मौका देगी या फिर तीन बार विधायक एकनाथ शिंदे की शिवसेना के उम्मीदवार सदा सर्वणकर पर एक बार फिर माहिम क्षेत्र की कमान सौंपेगी।

चुनाव से पहले भाजपा को झटका बाला भेगड़े ने पार्टी छोड़ी, मावल से टिकट न मिलने पर नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुणे जिले के मावल सीट से महायुति सहयोगी दल एनसीपी ने मौजूदा विधायक सुनील शेलके को उम्मीदवार बनाया। जिसको लेकर भाजपा नेता बाला

भेगड़े ने बगावत करते हुए पार्टी को छोड़ने का एलान कर दिया।महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम पर दांव खेलना भी शुरू कर दिया है। इसी बीच भाजपा को बड़ा झटका लगा है। जहां महायुति सहयोगी एनसीपी के द्वारा पुणे जिले के मावल विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक सुनील शेलके की उम्मीदवारी की घोषणा करने के कुछ ही देर बाद भाजपा नेता और पूर्व राज्य मंत्री बाला भेगड़े ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की। बता दें कि इस सीट से मौजूदा विधायक शेलके ने 2019 में भाजपा के पूर्व विधायक बाला भेगड़े को हराया था।बाला भेगड़े ने पार्टी छोड़ने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने और उनके समर्थकों ने अपने इस्तीफे की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वे बापू भेगड़े का समर्थन करेंगे और शेलके को हराने के लिए काम करेंगे। बता दें कि राकांपा के राज्य उपाध्यक्ष बापूसाहेब भेगड़े ने भी बगावत करते हुए पार्टी छोड़ दिया, जिसके बाद उन्होंने कहा कि वह 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

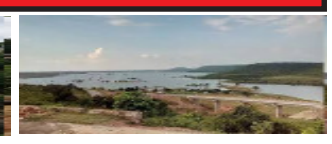

क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा सदर ब्लाक प्रमुख रावटसगंज को बनाया गया विधानसभा चुनाव झारखंड प्रदेश विधानसभा डाल्टनगंज प्रवासी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा क्षत्रिय अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत को विधानसभा चुनाव 2024 झारखंड प्रदेश का विधानसभा डालटेनगंज का प्रवासी बनाए जाने पर अनुसूचित जाति मोर्चा काशी क्षेत्र के पदाधिकारी में खुशी की लहर है बताते चलते हैं कि पूर्व में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा उसके विभिन्न पदो पर के निर्वहन करते हुए रावत द्वारा संगठन के कार्यों को समर्पित भाव से निष्ठा से काम करते चले आ रहे हैं श्री रावत द्वारा पूर्व में अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला संयोजक पूर्व में अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के जिले के मंत्री के रूप में वह वर्तमान में क्षेत्रीय अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख का दायित्व का निर्माण कर रहे हैं साथ ही 2021 में कोरोना काल में जिला संयोजक के रूप में रहते हुए पूरे जिले में दवाइयां व राशन बांटने का काम कोरोना डिजिटल बुक प्रभारी के रूप में काम किया अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय सम्मेलन के सहसंयोजक अनुसूचित मोर्चा सम्मेलन सोराव प्रयागराज के सहसयोजक के रूप में मंडल प्रवासी मंडल प्रभारी के रूप में काम किए हैं।

पीएमजीएसवाई योजनाओं में चल रहा भ्रष्टाचार का खेल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पीएमजीएसवाई द्वारा बनवाए जा रहे ग्रामीण सड़कों में भ्रष्टाचार का खुला खेल जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी से की शिकायत भाजपा सोनभद्र के जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह चंदेल ने बताया कि संगठन के सदस्यता महापर्व कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र भ्रमण करते हुए जब वह चतरा बंजरिया मार्ग पर सदस्यता कर रहे थे इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने आकर बताया की पीएमजीएसवाई द्वारा सड़क निर्माण से जुड़ी नाली का निर्माण किया जा रहा है जिसमे की अनसाईज लोकल बोलदर का प्रयोग हो रहा है और सीमेंट और बालू की जगह भक्सी से जोड़ईया किया जा रहा है शिकायत के बाद जिला उपाध्यक्ष द्वारा मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया जिसमें वहां की वीडियोग्राफी एवं फोटो वगैरा सब लिया गया और वहां पर देखा कि वहां पर खुलेआम अनसाइज लोकल बोल्डरों द्वारा सड़क किनारे नाली का निर्माण किया जा रहा है जिसमे खुलेआम सीमेंट बालू की जगह भक्सी से जुड़ईया किया जा रहा है सड़क पर जो पुराने पुलिया है छोटे-मोटे उनको बस ऊपर से पेंट करके नया रूप दे दिया जा रहा है श्री चंदेल ने

कहा की विभाग के अधिकारियों से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि उनको इसकी जानकारी नहीं है, जबकि साइड पर अधिकारीयों के देखरेख मे काम होना चाहिए, संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने के बाद ठेकेदारों द्वारा मजदूर लगाकर भक्सी से जुड़ी हुई नाली को तोड़ा जा रहा था जिस पर ग्रामीण खफा हो गए और उन्होंने काम को बंद कर दिया कि जब तक अधिकारी और जिलाधिकारी जाकर मौके का निरीक्षण नहीं कर लेते और ठेकेदार और विभाग के ऊपर कार्यवाही नहीं होती तब तक जो यह नाली भक्सी से जोड़ा गया है इसको वह लोग नहीं तोड़ने देंगे इसके बाद ठेकेदार और मजदूरों को वहां से जाना पड़ा , चंदेल ने बताया इस पूरे भ्रष्टाचार के खेल के बारे में उन्होंने वहां बनाई गई वीडियो और फोटो जिलाधिकारी और मुख्य अधिकारी को भेज दिया है और इस प्रकरण में जांच कर संबंधित विभाग और संबंधित ठेकेदार फर्म के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है अगर जिले स्तर से कार्यवाही नहीं की जाती है तो जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि इस पूरे इस पूरे रोड की जो की 8 किलोमीटर बनाई गई है करोड़ों रुपए प्रति किलोमीटर जिस पर लागत है इस पूरे रोड की जांच शासन स्तर से करवाया जाऐगा और विभागीय अधिकारी और निर्माण फर्म के खिलाफ कठोर कार्रवाई करवाई जाएगी,चदेंल ने कहा की ऐसे अधिकारी जो की भ्रष्टाचार कर सरकार की छवी को बदनाम कर रहे हैं उनके उपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

डीएम एसपी ने जिला कारागार गुरमा का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शुक्रवार को जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने जिला कारागार गुरमा का औचक निरीक्षण किये, औचक निरीक्षण के दौरान विभिन्न बैरकों में जाकर बन्दियों के सामग्री की संघन तलाशी भी ली गयी, तलाशी के दौरान कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई, इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला कारागार के बन्दियों से मिलकर उनसे वार्ता किया और उनको उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में बारी-बारी से जानकारी प्राप्त की, इस दौरान उन्होंने बन्दियों से सरलता व सुगमता पूर्वक वार्ता कर कारागार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही भोजन, नास्ता, स्वास्थ्य चिकित्सा, पीने के पानी आदि की गहनता पूर्वक जायजा लिया, इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा महिला कैदियों से मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली गयी। उन्होंने जिला कारागार के हातों के बैरकों में बारी-बारी से स्वयं जाकर कैदियों की स्थिति को देखा और वार्ता कर उनके परिवारों को मिलने-जूलने में हो रही

दिक्कतों के बारे में पूछा, तो कैदियों द्वारा बताया गया कि यहां इस प्रकार की कोई समस्या नहीं होती है। इस दौरान उन्होंने महिला कैदियों के बच्चों के शिक्षा हेतु बने शिशु गृह के स्थिति का जायजा लिया, कारागार में बने अस्पताल बैरक को भी देखा जहां चिकित्सक उपस्थित मिले, जिस पर जिलाधिकारी ने चिकित्सकों से बन्दियों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधा के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए रोजाना बैरक अस्पताल में चिकित्सकों के आने-जाने की स्थिति का जायजा लिये। इसी प्रकार से बन्दियों को दिये जाने वाले भोजन के किचन का निरीक्षण किया गया।

अवैध तरिके से गाडीयो को पास कराने वाले दो अभियुक्त कि हुई गिरफ़्तारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा अवैध तरीके से वाहनो को पास कराने वाले व खनन/परिवहन करने मे संलिप्त 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार । 1. पुलिस अधीक्षक

(मुख्यालय) तथा क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के निकट पर्यवेक्षण में थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र पर पंजीकृत मु0अ0स0 808/2024धारा 61(2)ख,303(2),317,(2),भारतीय न्याय संहिता2023व 3(1)/58/72(6)उ0प्र0 उपखनिज परिवाहन नियमावली ,4/21खान व खनिज अधिनियम व 3 सार्वजनिक सम्पति क्षति निवारण अधि0 थाना रा0गंजजनपद सोनभद्र। मे चल रहे वंछित थाना रा0गंज से सम्बन्धित अभियुक्त, 01.सतेन्द्र पुत्र रामकुमार नि0 नौटोलिया तेलगुड़वा थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष, 02. आशुतोष कुमार पाठक पुत्र स्वा0 वेद प्रकाश पाठक नि0 गजराज नगर थाना ओबरा सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष को आज दिनांक 25.10.2024 को गिट्टी चोरी करने वाले अभियुक्तो को इको प्वाइंट से गिरफ्तार किया गया व रिमांड प्राप्त कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया । गिरफ्तारी/बरामदगी की विवरण निम्नवत् है- **गिरफ्तारी का स्थान व दिनांक/समय**-दिनांक 25.10.2024 समय 19.45 बजे दिन मे स्थान ग्राम इको प्वाइंट के पास थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः**- 2.सतेन्द्र पुत्र रामकुमार नि0 नौटोलिया तेलगुड़वा थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष 3.आशुतोष कुमार पाठक पुत्र स्वा0 वेद प्रकाश पाठक नि0 गजराज नगर थाना ओबरा सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष **गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीमः**-1. उ0नि0 संजय सिंह थाना राबर्ट्सगंज,जनपद सोनभद्र ।2. आरक्षी मनीष कुमार थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र ।3. मु0आरक्षी अवधेश कुमार थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र ।

साप्ताहिक बाजार से तीन मोबाइल चोरी, हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शक्तिनगर । बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार शाम बीना सब्जी मंडी साप्ताहिक बाजार से तीन लोगों मोबाइल चोरी होने से हड़कंप मच गया।बीना कालोनी निवासी कर्मी भोकलो दास, अशोक तिवारी वही भैरवा निवासी सचिन पाण्डेय बीना मे सब्जी लेने गए थे की चोरी के गैंग सदस्यों नें जेब से मोबाइल चोरी कर लिया। पीड़ितों नें मोबाइल चोरी की सूचना बीना चौकी प्रभारी संजय कुमार सिंह कों दिया। हरकत मे आयी पुलिस नें सब्जी मंडी मे घूम रहे चोरी मे शामिल एक नाबालिग युवक कों दबोच कर जाँच पड़ताल मे जुटी हुई है। मोबाइल चोरी के गैंग मे शामिल अन्य लोग गिरफ्त से दूर है।मोबाइल लोकेशन व ट्रेस के जरिये पुलिस मोबाइल खोजबीन मे जुटी हुई है।

शिवद्वार धाम में लगे स्ट्रिटलाई हैं ब्यवस्था नदारत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । सोनभद्र/घोरावल स्थानीय तहसील में स्थित इंडियन बैंक शिवद्वार से कोहरथा मार्ग सत्तद्वारी तक स्ट्रीट लाइट लगा जिसका नियमित संचालन श्रावण

मास में 1 महीने तक ठीक ठाक चला परंतु जैसे ही मेला समाप्त हुआ वैसे ही स्ट्रिटलाइट के विद्युत संचालन रुका पड़ा है प्रकरण में एसडीओ घोरावल से जानकारी प्राप्त हुआ है स्ट्रीट लाइट हेतु केयर ट्रेकर कोई नियुक्त नहीं है जिसके वजह से विद्युत का संचालन ठप है संबंधित प्रकरण में जिलाधिकारी के द्वारा इसके केयर ट्रेकर हेतु किसी विभाग को नियुक्त कर दिया जायेगा जिससे नियमित संचालन होता रहेगा।

मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल रोकथाम हेतु चलाया गया विशेष अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । चोपन सोनभद्र जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 24-10-2024 को थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट के संयुक्त टीम द्वारा थाना चोपन अन्तर्गत रेलवे स्टेशन, कस्बा सहित विभिन्न स्थानो पर मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति रोकहेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत दो बच्चों को बाल भिक्षा वृत्ति से कराया गया मुक्त। इस दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि बाल भिक्षावृत्ति करते हुये पाए जाने वाले बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने हेतु प्रत्येक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए प्रभावी कार्य योजना पर कार्य गतिमान है। वहीं जनपद में बाल भिक्षावृत्ति पर रोक लगाते हुए कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है।

खेत मजदूर यूनियन के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाल कर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । शुक्रवार को उ. प्र. खेत मजदूर यूनियन के राज्यव्यापी आवाहन पर यूनियन की जिला कमेटी सोनभद्र ने कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में खनन मजदूरों के साथ जूलुस निकाल कर नारेबाजी करते हुए जिला खनन कार्यालय पर घंटे भर जोरदार प्रदर्शन किया, जहां यूनियन के कार्यकर्ताओं ने खनन क्षेत्र में चल रही मशीनों को बंद कर मजदूरों को रोजगार दिए जाने की मांग की, मौके पर खान अधिकारी उपस्थित हो कर यूनियन के नेतृत्व से मशीनों को बंद करके मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही। वहीं यूनियन द्वारा कहा गया है जल्द ही मशीनों को जब्त कर मजदूरों को रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो यूनियन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को तैयार हैं। खनन कार्यालय पर प्रदर्शन के बाद यूनियन का जत्था जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पंहुचा जहां यूनियन द्वारा कहा कि जाति जनगणना कराने, मनरेगा को इमानदारी से लागू करने, दलित अत्याचारों पर रोक लगाने, खेत मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा की गारंटी आदि मांगों को लेकर आज का आंदोलन है आगे वक्ताओं ने कहा कि आज हमारी मांगे हैं कि पूरे देश में इमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ जाति जनगणना करा कर सदियों से उपेक्षित और बंचित लोगों को उनकी हिस्सेदारी के हिसाब से उनको हक प्रदान किया जाये। विद्युत संशोधन कानून 2022 को तत्काल वापस लिया जाये, इसके साथ ही स्मार्ट मीटर ब्यवस्था को हटा कर विद्युत उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए बैकल्पिक ब्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। बटाई पर लेकर दूसरे के खेतों पर खेती करने वाले खेत मजदूरों को भी फसल बीमा का लाभ दिया जाये, इसके साथ ही फसल का नुकसान होने की स्थिति में उचित मुआवजा दिया जाये। मनरेगा के तहत काम करने वाली महिला खेत मजदूरों के लिए कार्य स्थल पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा की ब्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। खेत मजदूरों को 55 वर्ष की उम्र के बाद 5000 रुपये पति माह पेंशन दिया जाये। सभी खेत मजदूरों को मनरेगा के तहत वर्ष में 200 दिन का काम एवं 700 रुपये पतिदिन न्यूनतम मजदूरी दिया जाये। मनरेगा में कार्यरत सभी खेत मजदूरों को कार्य स्थल पर शुद्ध पीने के पानी की ब्यवस्था करने के साथ ही खेलने व शिक्षा की ब्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। मनरेगा में कार्यरत खेत मजदूरों को कार्य स्थल पर किसी भी खेत मजदूर के निधन पर उसके उपर आश्रित परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता शासन द्वारा पदान करने की ब्यवस्था किया जाये। दलितों, आदिवासियों पर सुनियोजित तरीके से किये जा रहे अंधाधुंध अत्याचार की घटनाओं को मद्देनजर रखते हुए ठ दलित अत्याचार अधिनियम ठ को कड़ाई के साथ लागू किया जाये। सम्प्रदाय एवं जाति विशेष को चिन्हित करके माब लिंचिंग और हत्या की घटनाओं पर रोक लगाने के साथ ही नफरती तत्वों पर अविलम्ब अंकुश लगाया जाये। बेतहाशा बढ़ती हुई महगाई पर अविलम्ब रोक लगाई जाये। आदिवासी अधिकार मान्यता कानून को कड़ाई के साथ लागू किया जाये। उपेक्षितों और बंचितों पर लगातार

दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित किया जाये।वनाधिकार कानून का सख्ती से पालन कराया जाए और दलितों, आदिवासियों व भूमिहीनों का पट्टा दिलाया जाए।दलितों, गरीबों,आदिवासियों पर वनविभाग द्वारा किए जा रहे शोषण उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए। जनपद सोनभद्र में उच्च शिक्षा के लिए एक अदद कैमूर विश्वविद्यालय और लोगों को बेहतर चिकित्सा के लिए एम्स जैसे संस्थान की स्थापना हो तथा जनपद के बभनी क्षेत्र में छात्राओं के लिए महिला महाविद्यालय स्थापित कराया जाए । जनपद सोनभद्र के खनन क्षेत्रों में और नदियों की जलधारा को रोककर नियम के विरुद्ध किए जा रहे जेसीबी , पोकलेन जैसी मशीनों से बालू खनन व मशीनों से ही किए जा ट्रको पर लोडिंग को तत्काल प्रभाव रोका जाए और स्थानीय मजदूरों को खनन में रोजगार दिलाया जाए । उपरोक्त मांगो को लेकर राष्ट्रपति महोदय को संबोधित मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से आर के शर्मा,देव कुमार विश्वकर्मा, अमर नाथ सूर्य, हृदय नारायण गुप्ता, तारकेश्वर गुप्ता, बसावन गुप्ता, राम सुरत बैगा, शिव नारायण, अयोध्या प्रसाद खरवार, बीरबल खरवार, जगरनाथ बैगा, बुद्धि राम बैगा, बाबूलाल चेरो, सूरज धरकार, योगेन्द्र कुमार, राम लखन, शिव चरण सिंह खरवार, सितवंती देवी, कलावती देवी, मालती, मान कुंवर, फुलपतिया देवी, कला कुमारी, पुष्पा, रामधनी, मुन्ना धरकार, जगरनाथ गोंड, देव नारायण व विजय कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रम विभाग थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त टीम द्वारा बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत बाल श्रम उन्मूलन अभियान के तहत छः नाबालिक बच्चों को बाल श्रम से कराया गया मुक्त- शेषमणि दुबे जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में चलाये जा रहे बाल श्रम उन्मूलन अभियान के क्रम में आज दिनांक 25-10-2024 को श्रम विभाग, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त टीम द्वारा थाना चोपन व ओबरा अन्तर्गत क्रशर प्लान्ट, कस्बा सहित विभिन्न स्थानो पर बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत छः नाबालिक बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराते हुए सम्बंधित नियोक्ताओं के विरूद्ध टीम द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी इस दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि बाल श्रम से मुक्त कराये गये बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजनान्तर्गत पात्रता के अनुसार योजना से लाभान्वित कराया जायेगा। आकांक्षा उपाध्याय बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण से सम्बंधित सूचना तत्काल चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर सूचित कर सकते है। राम जी यादव द्वारा बताया गया की मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत बाल श्रम उन्मूलन अभियान जनपद स्तर पर संयुक्त टीम द्वारा चलाया जा रहा है। रेस्क्यू टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी, राम कुमार, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, सामाजिक कार्यकर्त्ता आकांक्षा उपाध्याय, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई से प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव, मुख्य आरक्षी धनंजय यादव एवं आरक्षी पंकज कुमार उपस्थित रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र की अध्यक्षता में मिशन शक्ति फेज-5 के दृष्टिगत पुलिस लाइन सभागार कक्ष में जनपद के समस्त महिला बीट अधिकारी/महिला बीट आरक्षियों के साथ की गयी गोष्ठा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र श्री कालू सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन, पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में मिशन शक्ति फेज-5 के अभियान के तहत महिला बीट को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जनपद के समस्त महिला बीट अधिकारी/महिला बीट आरक्षियों के साथ गोष्ठी की गयी। गोष्ठी के दौरान महिला बीट रजिस्टर को चेक किया गया तथा महिला बीट को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गोष्ठी में उपस्थित समस्त महिला बीट अधिकारी/महिला बीट आरक्षियों को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर - वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 के बारे में जानकारी देकर जागरूक करने, महिला संबंधी अपराध, बाल विवाह, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा उनसे बचने के उपाय, साइबर फ्रॉड, आर्थिक सशक्तिकरण, परिवार नियोजन, बच्चों को शिक्षा, वर्तमान में केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण हेतु चलाए जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक करने, महिला सम्बन्धित अपराधों में पीड़िता के घर जाकर फिडबैक लेने आदि हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

स्पोर्ट्स

गिल की वापसी से केएल और सरफराज की राह होगी मुश्किल सुदंर को मिल सकता है मौका, जानें संभावित 11

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला गुरुवार से पुणे में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम मेहमानों से अपनी पिछली हार का बदला लेने के उद्देश्य उतरेगी। बता दें कि, बंगलूरू टेस्ट में कीवियों ने भारत को आठ विकेट से हराकर सीरीज में 0-1 की बढ़त बना ली है। अब मेजबान आगामी मैच में जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 की बराबरी पर लाना चाहेंगे। इस मैच के लिए कप्तान रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर किन खिलाड़ियों को मौका देंगे? यह सवाल हर किसी को परेशान कर रहा है। आज हम इसी पर चर्चा करेंगे। आइये जानते हैं. भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल पिछले मैच में चोट के कारण बाहर हो गए थे। फिलहाल वह फिट हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। मालूम हो कि, बंगलूरू टेस्ट में युवा बल्लेबाज की जगह सरफराज खान को मौका मिला था। उन्होंने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया और पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद, दूसरी पारी में 150 रन बनाए। यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक भी था। इस तरह दाएं हाथ के बल्लेबाज ने टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब सवाल यह है कि अगर गिल और सफराज दोनों को मौका मिलता है तो केएल राहुल का क्या होगा दरअसल, पहले मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखाए पाए थे। पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद, दूसरी पारी में वह सिर्फ 12 रन बना सके। इसके बाद उन्हें काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। ऐसे में माना जा रहा है कि इस मैच में कप्तान उन्हें आराम दे सकते हैं। उनकी जगह सरफराज खान के छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है। दूसरे टेस्ट में भारत के गेंदबाजी आक्रमण में भी बदलाव की संभावना है। तीन मैचों की सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों के लिए बीसीसीआई ने वाशिंगटन सुंदर को टीम का हिस्सा बनाया। युवा ऑलराउंडर इस वक्त फॉर्म में हैं और भारत के लिए पुणे टेस्ट में उपयोगी साबित हो सकते हैं। हाल ही में घरेलू टेस्ट में खेलते हुए उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 152 रनों की दमदार पारी खेली थी और दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट चटकाए थे। माना जा रहा है कि दूसरे टेस्ट में उन्हें कुलदीप यादव की जगह मौका मिल सकता है। सुंदर के आने से भारत को बल्लेबाजी में भी गहराई मिलेगी। कानपुर का यह गेंदबाज पिछले मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा सका था। तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई हमेशा की तरह जसप्रीत बुमराह ही करेंगे। लेकिन उम्मीद है कि इसमें भी एक बदलाव हो सकता है। मोहम्मद सिराज को आराम दिया जा सकता है और उनकी जगह आकाश दीप की टीम में एंट्री हो सकती है। पिछले मुकाबले में भारत को दू सरी पारी में जब विकेट की दरकार थी तो सिराज काम नहीं आए थे। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला, जिस कारण से भारत को आठ विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, वाशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह।

जीलैंड के खिलाफ सीरीज से वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू करेगा भारत, अहमदाबाद में होगी भिड़ंत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम जहां टी20 विश्व कप की निराशा को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करने की कोशिश करेगी वहीं, न्यूजीलैंड की टीम उससे प्रेरित होकर अपना विजय अभियान जारी रखना चाहेगी। भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप के निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली तीन वनडे मैच की सीरीज से अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू करेगी। हरमनप्रीत के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल में संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी 20 विश्व कप में उनकी कप्तानी की काफी आलोचना हुई थी। भारत इस टूर्नामेंट में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। भारतीय टीम जहां टी20 विश्व कप की निराशा को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करने की कोशिश करेगी वहीं, न्यूजीलैंड की टीम उससे प्रेरित होकर अपना विजय अभियान जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके खिताब जीता था। 35 वर्षीय हरमनप्रीत की कप्तानी की हाल में काफी आलोचना हुई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इस पद पर बरकरार रखा गया। अब उनके सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती है जिसमें उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो 12वीं की परीक्षा देने के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगी। अनुभवी ऑलराउंडर आशा शोभना भी चोटिल होने के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेगी जबकि तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गई थी और इसलिए उन्हें इस सीरीज से आराम दिया गया है। भारतीय टीम की सफलता काफी हद तक शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, डी हेमलता, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), सयाली सतगारे, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल। न्यूजीलैंड : सोफी डिवाइन (कप्तान), सुजी बेट्स, एडेन कार्सन, लॉरेन डाउन, इजी गेज (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, पॉली इंगलिस (विकेटकीपर), फ्रान जोनास, जेस केर, मेली केर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहु।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे पंत गौतम गंभीर ने दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस पर बड़ी जानकारी दी है। गंभीर ने प्रशंसकों को बड़ी राहत देते हुए कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज फिट है और पुणे टेस्ट में उतरने के लिए तैयार है। पंत को बंगलुरू टेस्ट के दूसरे दिन विकेटकीपिंग के दौरान पैर में चोट लग गई थी जिस कारण उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था। पंत पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए उतरे थे, लेकिन विकेटकीपिंग करने नहीं आए थे जिससे उनके दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय पैदा हो गया था। गंभीर ने दूसरे टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पंत पूरी तरह सही हैं और वह दूसरे टेस्ट में विकेटकीपिंग करने उतरेंगे।' गंभीर की इस पुष्टि के साथ ही पंत की फिटनेस को लेकर चल रहा गतिरोध थम गया। पंत ने इससे पहले मंगलवार को अभ्यास सत्र में भी हिस्सा लिया था और कुछ समय के लिए विकेटकीपिंग का अभ्यास भी किया था। उनका वापस आना भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि टीम पहले से ही तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे चल रही है। पंत का खेलना तय हो गया है कि, लेकिन दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 अभी तय नहीं है। शुभमन गिल चोट से वापसी कर चुके हैं, लेकिन गंभीर ने न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ध्यान में रखते हुए वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल करने का संकेत दिया है। गंभीर ने हालांकि कहा कि प्लेइंग-11 को लेकर अंतिम निर्णय मैच के दिन ही होगा। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने घरेलू सत्र में अब तक तीनों मैच खेले हैं। भारत को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है, ऐसे में बुमराह का कार्यभार प्रबंध देखना होगा। गंभीर ने बुमराह को लेकर कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए हमारे पास करीब 10-12 दिन होंगे। हमारे तेज गेंदबाजों को आराम के लिए काफी वक्त मिलेगा, लेकिन दूसरे टेस्ट मैच के बाद हम देखेंगे कि बुमराह के कार्यभार प्रबंध पर क्या निर्णय लेना है। यह सिर्फ बुमराह की बात नहीं, बल्कि सभी तेज गेंदबाजों के लिए है। हम उन्हें तरोताजा रखना चाहते हैं। हमें पता है कि आगे ऑस्ट्रेलिया का लंबा और अहम दौरा होना है। कार्यभार प्रबंधन इस टेस्ट मैच का नतीजा क्या होता है और इस मैच में वे कितना गेंदबाजी करते हैं, उस पर निर्भर करेगा।

दो साल पहले आज ही के दिन जब विराट कोहली की बदौलत भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीनी थी जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोहली और हार्दिक ने 113 रनों की साझेदारी की थी। इसी साझेदारी ने टीम को जीत के पर 160 रन बनाए और चार विकेट से मैच जीता था। इस अहम मुकाबले में विराट कोहली ने गजब की पारी खेली थी। रोमांच की हदें पार कर देने वाले इस मैच में टीम इंडिया के लिए पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 53 गेंद पर नाबाद 82 रन बनाए थे। रविचंद्रन अश्विन ने आखिरी गेंद पर एक रन लेकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। कोहली के अलावा हार्दिक पांड्या ने 37 गेंद पर 40 रन बनाए थे। सूर्यकुमार यादव ने 15 रनों का योगदान दिया। इन तीनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। रोहित शर्मा और केएल राहुल ने चार-चार रन बनाए। अक्षर पटेल ने दो रन बनाए। दिनेश कार्तिक सिर्फ एक रन बना सके। अश्विन एक रन बनाकर नाबाद रहे। कोहली और हार्दिक ने 113 रनों की साझेदारी की थी। इसी साझेदारी ने टीम को जीत के करीब पहुंचाया। गेंदबाजी में भारत के लिए अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने तीन-तीन विकेट लिए थे। इस मैच के बाद कप्तान रोहित ने कहा था- मेरे पास भी शब्द नहीं हैं। हम यही सोच रहे थे कि हमें गेम में बने रहना है। विराट और हार्दिक के बीच की साझेदारी ने खेल बदल दिया। हमने पिच और स्थितियों का फायदा उठाया। हम जानते थे कि लक्ष्य का पीछा आसान नहीं है। मेरा मानना है ऐसे मौके पर शांत बने रहना महत्वपूर्ण था और इन दोनों खिलाड़ियों ने ऐसा किया। हम ऐसी स्थिति में थे कि जीत मुश्किल थी लेकिन विराट ने कर दिखाया। वहीं, कोहली ने कहा था- यह असाधारण माहौल है। हार्दिक ने मुझसे कहा था कि खुद पर विश्वास रखिए। शाहीन ने जब पवेलियन एंड से गेंद की तो मैंने हार्दिक से कहा कि इस ओवर में रन बनाने हैं। मोहम्मद नवाज के एक ओवर बाकी थे तो हमें विश्वास था कि हम जीत लेंगे। हारिस रउफ की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर छक्का अविश्वसनीय था। दूसरा छक्का स्पेशल था। मैं इससे पहले हमेशा कहता था कि मोहाली में मैंने टी20 में सबसे बेहतरीन पारी खेली थी। ये पारी भी उसी के समान है, लेकिन अब मैं इस पारी को आगे रखूंगा। आपने (दर्शक) ने पिछले कुछ महीनों में मेरा लगातार समर्थन किया। इसके लिए आप सभी का शुक्रिया।

केएल राहुल को रिलीज करेगी लखनऊ सुपरजाएंट्स रिपोर्ट में किया गया बड़ा दावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रिपोर्ट के अनुसार, लखनऊ प्रबंधन ने टीम में राहुल के भविष्य को लेकर काफी चर्चा की है और इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि फ्रेंचाइजी उनके साथ आगे नहीं बढ़ेगी। आईपीएल 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लखनऊ सुपरजाएंट्स कप्तान केएल राहुल के साथ राहें जुदा कर सकती हैं। राहुल के नेतृत्व में लखनऊ की टीम इस सीजन प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। 2022 से राहुल लखनऊ टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तीन साल तक टीम की कमान संभालने के बाद लखनऊ फ्रेंचाइजी शायद ही उन्हें रिटेन करेगी। लखनऊ के प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाने के अलावा राहुल का प्रदर्शन नहीं कर पाना भी टीम प्रबंधन को उनसे अलग करने का कारण बन रहा है। इंडिया टूडे की रिपोर्ट के अनुसार, लखनऊ प्रबंधन ने टीम में राहुल के भविष्य को लेकर काफी चर्चा की है और इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि फ्रेंचाइजी उनके साथ आगे नहीं बढ़ेगी। फ्रेंचाइजी के एक सूत्र ने बताया, हमने कई बार टीम प्रबंधन के साथ राहुल की भूमिका लेकर चर्चा की और इस नतीजे पर पहुंचे कि टीम उनके बिना ही आगे बढ़ेगी। आईपीएल के अनुभवी बल्लेबाजों में शामिल राहुल आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी में बड़े खरीददारों में शामिल हो सकते हैं। हाल के सीजन में उनका स्ट्राइक रेट उन्हें इसका दावेदार बनाता है।

52 रन बनाकर खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने अचानक छोड़ा मैदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कार्टराइट 52 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। तभी चायकाल के दौरान उन्हें दूसरे बच्चे के जन्म की सूचना दी गई। यह

जानकारी मिलते ही वह मैदान छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गए। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज हिल्टन कार्टराइट अपने एक चौंकाने वाले निर्णय के कारण चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। उन्होंने बीच मैच में रिटायर होने का फैसला लेकर सभी को हैरान कर दिया। बता दें कि, यह घटना शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान की है। तस्मानिया के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने रिटायर होने का फैसला लिया। उन्हें जानकारी मिली थी कि उनकी पत्नी ने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। कार्टराइट 52 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। तभी चायकाल के दौरान उन्हें दूसरे बच्चे के जन्म की सूचना दी गई। यह जानकारी मिलते ही वह मैदान छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गए। दरअसल, कार्टराइट की पत्नी तमिका 37 सप्ताह की गर्भवती थीं।

गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने केएल राहुल को नेट्स पर फेंकी गेंद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मोर्कल ने बताया कि नेट्स में गेंदबाजी करते समय उन्होंने चोट से बचाव को ध्यान में रखा। केएल राहुल का बल्ला न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलुरू में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नहीं चला था जिस कारण उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था। भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर केएल राहुल को गेंद फेंकी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें मोर्कल राहुल के सामने गेंदबाजी कर रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के दौरान भारतीय कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनने वाले मोर्कल ने खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने करीब एक साल के बाद गेंदबाजी की है।

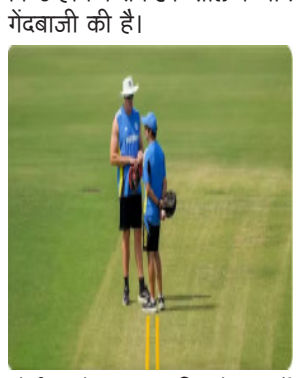

मोर्कल ने बताया कि नेट्स में गेंदबाजी करते समय उन्होंने चोट से बचाव को ध्यान में रखा। केएल राहुल का बल्ला न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलुरू में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नहीं चला था जिस कारण उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था। राहुल पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 12 रन बनाए थे। राहुल अब दूसरे मैच के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। हालांकि, अंतिम एकादश में उनकी जगह खतरे में दिख रही है, विशेषकर तब जब सरफराज खान ने पहले मैच में अपना प्रभाव छोड़ा है।

राशि फल

मेष
कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ
आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन
किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क
आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला
आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक
आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ
आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन
मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

महंगी पड़ती राजनीतिक क्षुद्रता, आवश्यक सुधारों पर देना होगा अधिक ध्यान

राजनीति का काम है लोगों को दिशा देना और उन्हें जागरूक करना, लेकिन पिछले कुछ समय से अपने देश में इसके ठीक उलट हो रहा है। राजनीति लोगों को ऐसे विषयों पर गुमराह करने का जरिया बनी हुई है, जिनका कोई आधार ही नहीं बनता। इन दिनों पक्ष-विपक्ष के नेता देश की जनता को यह समझाने में लगे हुए हैं कि भारत का संविधान खतरे में है और प्रतिपक्षी दल आरक्षण खत्म करने की भी तैयारी में हैं। एक तरह से लोगों को यह यकीन दिलाया जा रहा है कि कौआ उनका कान ले गया है और उन्हें बिना यह देखे-समझे कौए के पीछे दौड़ना चाहिए कि उनका कान सलामत है या नहीं? संविधान और आरक्षण के खतरे में होने का शिगूफा लोकसभा चुनाव के समय छेड़ा गया था। बहुत से लोग इस शिगूफे का शिकार भी हुए। पता नहीं अब उन्हें भान हुआ या नहीं कि उनके सामने भय का भूत खड़ा किया गया था, लेकिन राजनीतिक दलों की लोगों को बहकाने की राजनीति अब भी जारी है। लोकसभा चुनाव के समय संविधान और आरक्षण के लिए खतरा पैदा होने का हौवा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने खड़ा किया था। इस दुष्प्रचार के चलते राजनीतिक नुकसान उठाने के बाद से भाजपा भी यह कहने में लगी हुई कि संविधान और आरक्षण को असली खतरा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से है। विडंबना यह है कि इस झूठे प्रचार पर अंध विरोधी और अंध समर्थक किस्म के कुछ लोग यकीन भी कर रहे हैं, जबकि सच यह है कि न तो संविधान खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण समाप्त किया जा सकता है। कम से कम वर्तमान परिस्थितियों में तो यह संभव नहीं और किसी की ओर से ऐसी कोई कोशिश करने का मतलब है जानबूझकर राजनीतिक आत्मघात करना। देश का कोई भी दल इतना नादान नहीं हो सकता कि वह संविधान खत्म करने या फिर आरक्षण को समाप्त करने का सोचे और फिर भी यह समझे कि वह राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बना रह सकता है। निःसंदेह संविधान में संशोधन किया जा सकता है और देश, काल एवं परिस्थितियों को देखते हुए किया भी जाना चाहिए। ऐसा किया भी गया है और चूंकि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है, इसलिए उसने ही सबसे अधिक संविधान संशोधन किए हैं। आपातकाल के जरिये संविधान को धता बताने का कलंक भी उसके माथे पर है, लेकिन दुष्प्रचार की राजनीति के जरिये वही यह प्रचारित कर रही है कि भाजपा संविधान के लिए खतरा बन गई है। संविधान के किसी प्रविधान की समीक्षा की मांग करने में कोई हर्ज नहीं, लेकिन आज जैसा राजनीतिक माहौल है, उसमें यदि कोई ऐसी मांग करे तो उसके विरोधी तत्काल उसे संविधान विरोधी करार देंगे। इसी तरह यदि किसी ने भूले से भी कह दिया कि आरक्षण की समीक्षा होनी चाहिए, ताकि वह अधिकाधिक पात्र लोगों को मिल सके तो उसे आरक्षण विरोधी करार देने में क्षण भर की भी देर नहीं की जाएगी। आखिर यह क्यों नहीं देखा जाना चाहिए कि आरक्षण का लाभ पात्र लोगों को सही तरह से कैसे मिले यह देखना दुखद है कि एससी-एसटी आरक्षण के उपवर्गीकरण की उचित मांग का जो भी समर्थन कर रहे हैं, उन्हें संविधान और सामाजिक न्याय विरोधी करार देने में संकोच नहीं किया जा रहा है। आखिर यह कैसा सामाजिक न्याय है कि एससी-एसटी समाज की जिन सबसे अधिक पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना सुनिश्चित किया जाना सभी दलों का साझा ध्येय होना चाहिए, उन्हें उससे वंचित करने को ही संविधानसम्मत बताया जा रहा है। वास्तव में यह सामाजिक अन्याय की ही मिसाल है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति इसीलिए बनी है, क्योंकि आरक्षण पर क्षुद्र राजनीति की जा रही है। जैसे आरक्षण के समक्ष नकली खतरा खड़ा कर दिया गया है, उसी तरह संविधान के समक्ष भी। आज पक्ष-विपक्ष में से यदि कोई संविधान के किसी प्रविधान में संशोधन की न्यायसंगत मांग भी करे तो उसे फौरन ही संविधान का शत्रु करार दिया जाएगा। इतना ही नहीं, ऐसा करने वाले यह हल्ला मचाते हुए भीमराव आंबेडकर की फोटो के साथ सड़कों पर उतर आएंगे कि बाबा साहेब के बनाए संविधान को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता में आने पर जजों की नियुक्ति की मौजूदा गैर-संवैधानिक व्यवस्था को खत्म कर न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने की पहल की थी तो सभी विपक्षी दलों ने उसका समर्थन किया था। संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पर संसद और विधानसभाओं ने खुशी-खुशी मुहर भी लगा दी थी।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार का इंतजार अक्षम हो चुकी हैं संस्थाएं

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भविष्य शिखर सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा, 'दुनिया एक बवंडर में फंसी है। हम ऐसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो वैश्विक समाधान चाहती हैं।' इससे पहले उन्होंने कहा था, 'सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं आज पूरी तरह अप्रासंगिक, अयोग्य और अक्षम हो चुकी हैं। इनमें सुधार

किए बिना वैश्विक चुनौतियों से नहीं निपटा जा सकता।' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, 'हताश होने के बजाय हमें एकजुट होकर चुनौतियों का सामना करना चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र को और सक्षम, प्रभावी और समावेशी बनाने की जरूरत है। इसीलिए हम सुरक्षा परिषद का सुधार और विस्तार करने का समर्थन करते हैं।' वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक संस्थाओं में सुधार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, 'सुधार प्रासंगिक बने रहने की कुंजी हैं। मानव की सफलता उसकी संगठित शक्ति में है, जंग के मैदान में नहीं।' इन वक्तव्यों से संकेत मिलता है कि सुरक्षा परिषद के सुधार और विस्तार के लिए आम सहमति बन चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने भी सुरक्षा परिषद में सुधार करने और अफ्रीका को स्थायी सीट देने की मांग रखी। महासचिव गुटेरस ने माना है कि अफ्रीका को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर सहमति हो चुकी है, पर सुधार और विस्तार की प्रक्रिया क्या हो और इसकी शुरुआत कब हो, इसे लेकर सहमति नहीं बन पा रही। लैटिन अमेरिका से ब्राजील को स्थायी सदस्यता देने पर भी किसी को आपत्ति नहीं है। मसला विश्व की दो तिहाई आबादी और लगभग आधी अर्थव्यवस्था वाले एशिया का है, जिसका प्रतिनिधित्व अकेले चीन के पास है। यूरोप के पास रूस, फ्रांस और ब्रिटेन की तीन सीटें हैं। इसलिए कुछ देशों का सुझाव है कि इन तीन देशों में से कम से कम एक को अपना वीटो अधिकार और सीट छोड़ देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर आम सहमति है, परंतु चीन को वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना मंजूर नहीं, खासकर एशिया से जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों, भारत और जापान पर वह अलग-अलग कारणों से संदेह करता है। यह समय की विडंबना है कि भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में आड़े आ रहा है। चीन के अलावा भारत के दूसरे पड़ोसी देश भी चुनाव प्रक्रिया, न्याय प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और मानवाधिकारों पर उचित-अनुचित सवाल उठाकर स्थायी सदस्यता की राह को कठिन बनाते रहते हैं। अमेरिका भी भारत की खेमेबाजी से परे अवसरानुकूल कूटनीति को लेकर आशंकित रहा है। इसका नवीनतम उदाहरण भारत का रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों में शामिल न होना और यूक्रेन पर रूसी हमले के निंदा प्रस्तावों से दूर रहना है। इसलिए वह भारत को वीटो अधिकार वाली स्थायी सदस्यता देने का समर्थन कर ही देगा, यह सुनिश्चित नहीं। वीटो अधिकार के बिना सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से अनुचित निर्णयों पर तमाशबीन बने रहने की बेचारगी के सिवा कुछ हासिल नहीं होगा। इसलिए भारत की दिलचस्पी ऐसी सदस्यता में नहीं है। या तो सभी अपने-अपने वीटो अधिकारों का परित्याग करें, जिसकी संभावना कम है या फिर नए सदस्यों को भी वीटो अधिकारों के साथ शामिल किया जाए, ताकि वे यूक्रेन पर रूसी हमले जैसे नियमों को ताक पर रखकर किए जाने वाले संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उल्लंघनों को यदि न भी रोक सकें, तो भी कम से कम संयुक्त राष्ट्र के नाम पर इराक पर किए गए हमले जैसी विवादास्पद कार्रवाइयों को तो रोक सकें। यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता और फलस्तीनियों के अस्तित्व की रक्षा करने में संयुक्त राष्ट्र की बेचारगी दिखाती है कि उसकी संस्थाएं कितनी अयोग्य और अक्षम हो चुकी हैं। वैश्विक व्यवस्था को बहाल करने के लिए नाम के सुधारों की नहीं, बल्कि कारगर सुधारों की जरूरत है, जो मनमानी को रोक सकें। आतंकवाद की सर्वमान्य परिभाषा तय करने और उसकी रोकथाम के लिए वैश्विक रणनीति बनाने की भी जरूरत है, ताकि हमास, लश्कर और अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की रोकथाम की जा सके। साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष में व्यवस्था कायम रखना भी बड़ी वैश्विक चुनौती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इन तीनों का जिक्र किया, क्योंकि इनमें असुरक्षा रहने से संचार से लेकर व्यापार तक हर पहलू प्रभावित होता है। इस समय विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियां हैं कृत्रिम मेधा और जलवायु परिवर्तन। कृत्रिम मेधा से प्रशिक्षित हो रहीं मशीनों का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में पड़ने वाला है। इनका सही प्रयोग कायाकल्प कर सकता है तो दुरुपयोग के कल्पनातीत दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। साइबर, संचार और जैविक आतंक के क्षेत्रों में इस तकनीक के दुरुपयोग की घातकता परमाणु हथियारों से कम नहीं है। इसलिए इसके दुरुपयोग की रोकथाम के लिए एक वैश्विक रणनीति की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन की रोकथाम पर तो हमारा अस्तित्व ही निर्भर करता है। इसलिए उस पर ऐसी बहुपक्षीय और बहुकोणीय रणनीति बनाने की जरूरत है, जो कारगर होने के साथ-साथ व्यावहारिक और न्यायसंगत भी हो। भारत इन वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए वैश्विक व्यवस्था में सुधारों की पैरवी और अगुआई तभी कर सकता है, जब वह अपने यहां भी समयोचित सुधारों में आगे रहने की मिसाल कायम करे। आर्थिक सुधारों की गाड़ी मंथर गति से अटक-अटक कर चल रही है। भूमि, श्रम और न्यायिक सुधारों की बात ही शुरू नहीं हुई है। कृषि सुधारों से पीछे हटना पड़ा है। एक देश एक चुनाव और समान नागरिक संहिता जैसे सुधार क्षेत्रीयता और मजहबी राजनीति में उलझ गए हैं। ऐसे में आर्थिक और सामाजिक विकास की गाड़ी कैसे गति पकड़ेगी? कौटिल्य ने ढाई हजार साल पहले कहा था कि देश की असली शक्ति उसकी अर्थशक्ति में होती है। सुधारों के बिना यह शक्ति हासिल नहीं हो सकती और इसके बिना विश्व मंच पर हमारी वैश्विक सुधारों की बात ध्यान से नहीं सुनी जा सकती।

हिंदू मंदिरों के संचालन का सवाल, देश के कई मंदिरों में ब्राह्मण पुरोहित नहीं

तिरुपति बालाजी मंदिर में पशुओं के चर्बीयुक्त घी से बने प्रसाद पर विवाद के बीच यह मांग उठ रही है कि मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाए। इस मांग के विरोध में यह कहा जा रहा है कि अगर मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हट गया तो क्या वे फिर से ब्राह्मण वर्चस्व में नहीं चले जाएंगे इसी के साथ यह भी कहा जा रहा है कि ये ब्राह्मण ही थे, जिन्होंने सारे मंदिरों पर कब्जा कर लिया और उनमें दलितों और पिछड़ों की भागीदारी सीमित कर दी। यह सही है कि भारत में अधिकांश मंदिरों के पुजारी जन्मना ब्राह्मण होते रहे। शायद आज भी अधिकांश मंदिरों में वही हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि शत-प्रतिशत मंदिरों के पुजारी ब्राह्मण होते हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति के पुरोहित उनकी अपनी जाति के होते हैं और उनके मंदिरों के पुजारी भी, खासकर दलितों के यहां। जनजातियों का सिस्टम अलग है। हिंदू व्यवस्था में ब्राह्मण उन्हीं के पुरोहित थे, जिनसे उनका 'पानी पीने का संबंध' था यानी अभी की अधिकांश कथित सवर्ण और पिछड़ी जातियों के यहां, जो सकल आबादी की करीब 50 प्रतिशत हैं। सवाल है कि क्या दलितों के यहां पूजा न करवाने का फैसला अकेले ब्राह्मणों का था? क्या देश के दो-तीन प्रतिशत ब्राह्मण और उसमें भी 0.01 प्रतिशत पुरोहित ऐसा अपने मन से थोप सकते थे? स्पष्ट है कि इसमें सवर्ण और पिछड़ा सहित पूरा समाज शामिल था। 2011 की जनगणना में देश में करीब 26 लाख धार्मिक संस्थान/ मंदिर-मस्जिद-चर्च इत्यादि होने की बात कही गई। इसमें करीब 19 लाख हिंदू संस्थान थे। यह मान लें कि पिछले सौ साल में अनेक मंदिर सड़कों के किनारे निहित स्वार्थों के लिए भी बने हों तो यह ध्यान रहे कि उन्हें बनवाने वाले ऐसे बहुत सारे लोग थे, जो ब्राह्मण नहीं थे। करीब 15 लाख मंदिर सैकड़ों-हजारों सालों से देश में हैं, वे राजाओं, जमींदारों और सेठों द्वारा बनाए गए और उन्होंने उसमें ब्राह्मण पुरोहित नियुक्त किए। ऐसा परंपरा से हुआ। किसी ब्राह्मण ने कोई मीटिंग या जलसा नहीं किया कि उसे ही पुरोहित बनाया जाए। इन 15 लाख मंदिरों में से लाखों ऐसे मंदिर भी हैं, जो ब्राह्मणों से इतर मठ हैं। आप गोरखपुर मठ का नाम लें या कर्नाटक में लिंगायत/वोक्कालिगा मठों के, इनके स्वामी गैर-ब्राह्मण होते हैं। हाल में जिस 'सेंगोल' नामक राजदंड का प्रधानमंत्री मोदी ने प्रचार किया और जिसकी जड़ें चोल राजवंश तक जाती हैं, उनके मठाधीश गैर-ब्राह्मण हैं। देश में आर्य समाज, कबीर पंथ, ब्रह्म समाज इत्यादि के हजारों मंदिर हैं, जिनमें ब्राह्मण पुरोहित नहीं हैं। शहरों में तो खैर पता ही नहीं चलता कि किस मंदिर में ब्राह्मण या गैर-ब्राह्मण पुरोहित हैं। आधुनिक काल में ऐसे बहुत से संप्रदाय बने हैं-खासकर इस्कान, साईं मंदिर समूह, गायत्री परिवार आदि जिनमें सभी जातियों के पुरोहित हैं। पुजारी और पुरोहित में फर्क करना जरूरी है। पुजारी वह है, जो दैनिक पूजा-अर्चना या भोग लगाता है। पुरोहित वह है, जो खास अंतराल पर पारिवारिक कर्मकांड करता है। सवर्णों या पिछड़ों के बीच कर्मकांड पर तो ब्राह्मणों का वर्चस्व है, लेकिन पुजारी होने पर नहीं। यह फर्क हमें समझना चाहिए। कुछ तो पुरोहित भी गैर-ब्राह्मण हैं। बिहार के सबसे प्रसिद्ध पटना के हनुमान मंदिर में करीब 40 प्रतिशत गैर-ब्राह्मण पुरोहित हैं, जो पूर्व आइपीएस अफसर द्वारा संचालित है। वह भूमिहार हैं। देश के कुछ हिस्सों में 'राज्य' ने मंदिरों में गैर-ब्राह्मण पुरोहितों को नियुक्त करना शुरू किया है। इन मंदिरों पर राज्य का नियंत्रण है। तमिलनाडु इसमें अग्रणी है। तमिलनाडु की ब्राह्मण विरोधी राजनीति के बावजूद मंदिरों में गैर-ब्राह्मण पुजारी ज्यादा नहीं हैं। संभवतः इसका एक कारण यह है कि पुजारी बनने का लाभ कम है और जीवनशैली कठिन है।फिर भी प्रतीकात्मक रूप में इसे समतावाद के तौर पर लिया जा रहा है। यह कहना कि ब्राह्मणों ने एक समूह बनाकर धर्मस्थलों पर कब्जा कर लिया, सत्य से परे है। यह कहना वैसे ही है, जैसे यह प्रचार करना कि मारवाड़ियों ने देश की अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर लिया है! यह भी उल्लेखनीय है कि सामान्य मंदिर अलग हैं, मठ अलग हैं और लोकदेवताओं के मंदिर अलग हैं। मठों और लोकदेवताओं के मंदिर पर तो लगभग अधिकांश में गैर-ब्राह्मणों का ही नियंत्रण है।एक अन्य मसला वीआइपी कल्चर से जुड़ा है, जिसमें पैसा देकर वीआइपी दर्शन इत्यादि की व्यवस्था की जाती है। इसका विरोध होना चाहिए। अगर कोई अपने आराध्य का दर्शन करने जा रहा है तो उसे घंटे-दो घंटे लाइन में लगने में मुश्किल नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि यह वीआइपी कल्चर सरकारी ट्रस्ट नियंत्रित मंदिरों में अधिक है।इसे मंदिरों के राजस्व में बढ़ोतरी का माध्यम बना दिया गया है। अंत में फिर वही सवाल कि क्या मंदिरों में गैर-ब्राह्मण पुजारी होने चाहिए? अवश्य होने चाहिए और सार्वजनिक मंदिरों में तो और भी। हां, पुजारियों को उस मंदिर की मत-परंपरा, वहां के लोकाचार, कर्मकांड, अनुष्ठान का ज्ञान और उनमें थोड़ी बहुत धार्मिक प्रवृत्ति होनी चाहिए।

सेवा भाव पर हावी होता स्वार्थ, जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या

जाने-माने बौद्ध विचारक थिच नहत हान ने जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या पर कहा था कि यदि हम उसी रास्ते पर चलते रहे, जिस पर इस समय चल रहे हैं तो निश्चित ही मनुष्य जाति का विनाश हमारे अनुमानों से पहले ही हो जाएगा। जो लोग जलवायु परिवर्तन की स्थिति को समझते हैं और तथ्यों से परिचित हैं, उन्हें इससे कोई असहमति नहीं सकती है। आश्चर्य तब होता है जब विश्व भर में सत्ता पर काबिज लोग भी वर्तमान रास्ते को बदलने की बात तो लगातार करते हैं, अनेक उपायों की चर्चा भी करते हैं, लेकिन जमीन पर कोई व्यावहारिक बदलाव नहीं हो पाता है। इसका सबसे निकटस्थ उदाहरण है दिल्ली में वायु प्रदूषण की भयावह समस्या। प्रतिवर्ष वही वादे, वही न्यायालय के नाराजगी भरे निर्णय और उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लगातार अपनी कर्मठता जाहिर करते देखना मात्र तक ही दिल्ली की नियति बन गई है। वैसे यह समस्या सिर्फ दिल्ली की ही नहीं, देशव्यापी है, विश्वव्यापी है। करीब बीस वर्ष पहले एक ऐसी संभावना बनी थी, जिसमें भारत की नई पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार किया जा साकता था, मगर वह राजनीति की भेंट चढ़ गया। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी को दिसंबर 2003 में निर्देश दिया था कि वह पर्यावरण शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए कक्षा एक से लेकर 12 तक का पाठ्यक्रम बनाए, जिसे संस्था ने मार्च 2004 में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। न्यायालय ने उसे सभी राज्य सरकारों को भेजा। यह राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत संतोष की स्थिति थी कि सभी राज्य सरकारों ने उस पाठ्यक्रम को स्वीकार किया। साथ ही अपने स्कूल शिक्षा की संरचना में आवश्यक परिवर्तन कर पर्यावरण शिक्षा को एक अलग स्वतंत्र विषय बनाने की बात कही। मई 2004 में केंद्र में नई सरकार आ गई। चूंकि उक्त निर्णय पूर्ववर्ती सरकार के प्रयास का परिणाम था अतः उसने उस निर्णय को लागू नहीं किया।

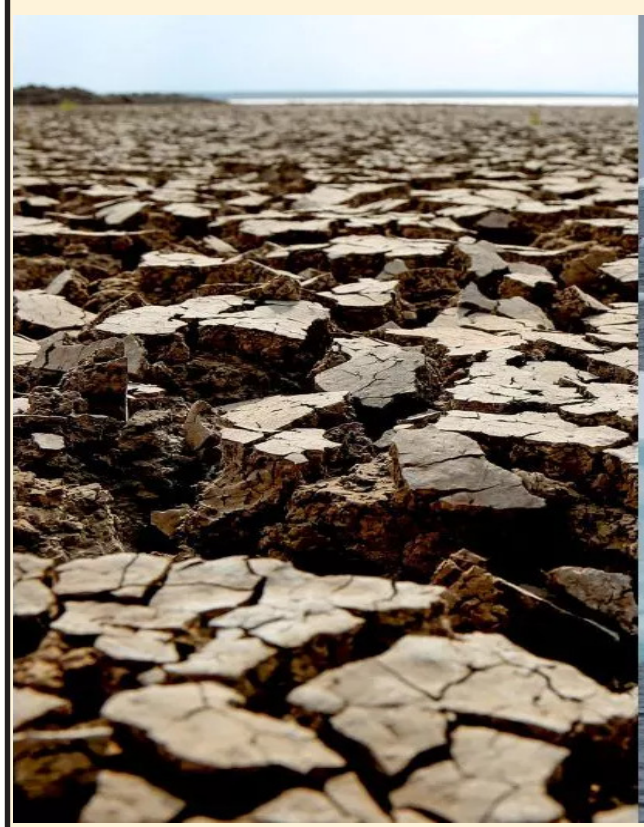

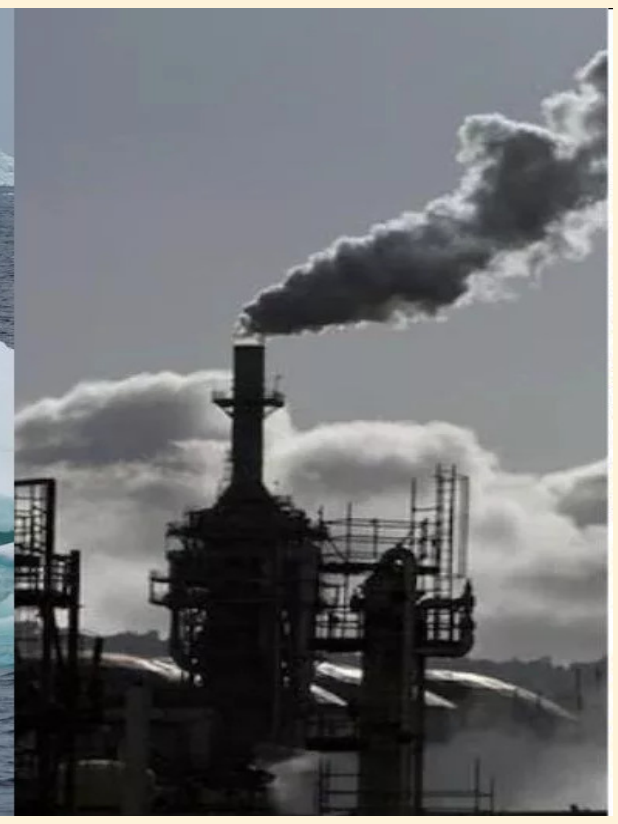

नीति-निर्धारण स्तर पर जब भविष्यदृष्टि की कमी होती है, तब अनेक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका आधार शैक्षिक या अकादमिक न होकर कहीं न कहीं राजनीतिक विचारधाराओं के सतत संघर्ष में छिपा होता है। कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती, जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता। इंदौर और सूरत जैसे शहरों में जो सफलताएं स्वच्छता को लेकर मिलीं और सारे देश में इन शहरों की सराहना हुई, उसके पीछे भी कहीं न कहीं एक उत्साहित, अध्ययनशील और भविष्यदृष्टि वाला व्यक्तित्व उपस्थित था। सामान्यजन अब यह समझ चुके हैं कि उत्तरदायी व्यक्ति यदि निष्ठापूर्वक किसी समस्या का समाधान करना चाहे तो रास्ते निकाल सकते हैं और समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पहली आवश्यकता यह है कि उन्हें अपने परिवार और करियर के बजाय जनसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाकर आगे बढ़ना होगा। लोकतंत्र कहता है कि जो चयनित जनप्रतिनिधि संवैधानिक पदों पर नियुक्त होंगे वे जनसेवा के कारण ही वहां पहुंचेंगे और इसके बाद वे पूर्णरूपेण अपना सर्वस्व उसी के लिए समर्पित कर देंगे। यही अपेक्षा तो गांधी, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, आचार्य कृपलानी जैसे मनीषियों ने स्वतंत्र भारत में नेतृत्व प्रदान करने वाले जन प्रतिनिधियों से की थी। दुख की बात है कि उनकी अपेक्षाओं को वर्तमान राजनीतिक और दलगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं की आधी-अधूरी समझ के अंतर्गत पूरी तरह नकार दिया गया है। हर उस क्षेत्र में जहां जनसाधारण का जीवन प्रभावित होता है, निर्णय ले सकने वालों की स्वार्थपरकता व्यक्ति के लिए कष्टकर स्थितियां ही उत्पन्न करती हैं। जनहित की बड़ी-बड़ी परियोजनाएं इसी कारण अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाती हैं। उदाहरण के रूप में अगर देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को ही लें तो अनेक सरकारी योजनाओं की घोषणा होने के बावजूद आज भी सरकारी अस्पतालों की स्थिति सामान्य व्यक्ति के लिए सुविधाजनक नहीं बन पाई है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की हालत और चिंताजनक है। उनमें नियुक्त डाक्टर सप्ताह में एक या दो दिन ही जाते हैं, उनके वरिष्ठ अधिकारी यह सब जानते हैं, मगर पता नहीं क्यों किसी कार्रवाई की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अंततः लोग इस स्थिति को अपरिवर्तनीय मानकर स्वीकार कर लेते हैं। वर्ष 2013 में आई न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति की रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में 10 हजार शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान केवल व्यापार कर रहे हैं, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उनकी कोई रुचि नहीं है और वे डिग्री बेच रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 में भी इस कथन को शामिल किया गया है और शिक्षक प्रशिक्षण में गहन सुधारों की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। शिक्षा नीति में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति के शब्दों को दोहराया जाना यह स्पष्ट करता है कि डिग्री बेचने वाले संस्थान इस बीच अपना कार्य करते रहे। राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थागत निष्क्रियता और अन्यमनस्कता का यह एक सटीक उदाहरण है। देश में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। स्पष्ट है सामान्य जन के जीवन में अपेक्षित परिवर्तन तभी होगा, जब देश का प्रबुद्ध वर्ग अपना उत्तरदायित्व निभाने के लिए आगे आएगा और सरकारी तंत्र ईमानदारी, कर्मठता और सेवा भाव को प्राथमिकता देगा।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

भोले-भाले व्यक्तियों को लालच देकर छल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 4 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा भोले-भाले व्यक्तियों को लालच देकर छल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 04 अभियुक्त 1.अक्षय पुत्र विक्रम 2.शिवसागर पुत्र सीताराम 3.रोहित पुत्र महेन्द्र 4.प्रतीक पुत्र संन्दीप सिंह को ट्रान्सपोर्ट नगर कट सेक्टर-88 नोएडा के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 06 मोबाइल फोन (भिन्न-भिन्न कम्पनी के) व 01 स्कोडा कार रजि0नं0 आर जे 60 सीए 4650 बरामद की गई है। घटना का विवरण अभियुक्तों द्वारा वादी को बहला-फुसलाकर छल से यह विश्वास दिलाया गया कि 5 करोड़ रूपये की रकम वादी के एकान्ट में ट्रान्सफर की जायेगी और वादी उसमे से 4.5 करोड़ रूपये कैश अभियुक्तों को वापस कर देगा जिससे 50 लाख रूपये का लाभ वादी को हो जायेगा। इस प्रकार छल करके वादी को अभियुक्तों द्वारा ठगने का प्रयास किया गया। अभियुक्तों द्वारा राजस्थान के एक प्रशासनिक अधिकारी का पहचान पत्र भी साथ में रखा जाता है तथा अपने टारगेट व शिकार को पहचान पत्र दिखाकर प्रभावित करने की कोशिश अभियुक्तों द्वारा की जाती है ताकी लोगो को यह यकीन हो जाये कि यह सही लोग है और यह हमे धोखा नही देगे। वादी के मोबाइल से अभियुक्तों द्वारा की गयी उपरोक्त वार्ता की वाइस रिकोर्डिग भी बरामद हुई है। ज्यादा पैसे का लालच दिखाकर वादी के साथ छल करने के सम्बन्ध में थाना फेस-2 गौतमबुद्धनगर पर मु0अ0सं0- 522/24 धारा 318(2) बीएनएस पंजीवृत्त किया गया था।

माकपा का जिला सम्मेलन 27 अक्टूबर को डिवाइन ड्रीम फार्म हाउस इटेड़ा ग्रेटर नोएडा वेस्ट पर होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) गौतमबुद्धनगर का नौवां जिला सम्मेलन 27 अक्टूबर को डिवाइन ड्रीम फार्म हाउस गांव इटेडा ग्रेटर नोएडा वेस्ट (निकट-एक मूर्ति चौक) पर प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:00 तक होगा। सम्मेलन की तैयारी के लिए आज पार्टी कार्यालय सेक्टर- 8, नोएडा पर कामरेड गंगेश्वर दत्त शर्मा की अध्यक्षता में मीटिंग संपन्न हुई। मीटिंग की जानकारी देते हुए गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में जिले के मजदूरों, किसानों, महिलाओं, छात्रों, नौजवानों के ज्वलंत मुद्दों/समस्याओं पर विचार विमर्श एवं संघर्षों को तेज करने की रणनीति तय की जाएगी तथा बिगड़ती कानून व्यवस्था, सार्वजनिक राशनिंग व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि की दुर्दशा एवं राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी एवं पार्टी के पिछले 3 साल के कार्यों की समीक्षा और नई जिला कमेटी का चुनाव किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन भाषण कामरेड बृजेश कुमार सिंह सीपीएम दिल्ली राज्य कमेटी सचिव मंडल सदस्य करेंगे और समापन भाषण कामरेड अनुराग सक्सेना सीपीएम दिल्ली राज्य सचिव मंडल सदस्य रखेंगे। बैठक में पार्टी जिला सचिव कामरेड रूपेश वर्मा ने लोकल कमेटी सदस्यों व ब्रांच सचिवों से अपील करते हुए कहा कि सम्मेलन में पार्टी सदस्यों/डेलीगेट साथियों को समय से लेकर पहुंचना सुनिश्चित करें।

अखिल भारत हिन्दू महासभा ने की प्रेसवार्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा नईदिल्ली स्थित अखिल भारत हिन्दू महासभा के मुख्यालय हिन्दू महासभा भवन में अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से यमुना नदी में छठ पूजा करने और छठ पर्व पर छठव्रतियों को यमुना नदी में प्रवेश कर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की अनुमति प्रदान करने की मांग की है। प्रेस वार्ता में श्री शेर सिंह राणा,मुकेश जैन,हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील कुमार,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी अरुमुगम मधेश,उत्तरप्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष श्री संजीव राणा,पी.सरावनन,उदय कुमार आदि उपस्थित थे।

बॉलीवुड/टैली मसाला

फिर होगा 'पुष्पा 2-द रूल' की रिलीज डेट में बदलाव समय से पहले बड़े पर्दे पर धूम मचाएंगे अल्लू अर्जुन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'पुष्पा 2' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अल्लू अर्जुन और फिल्म निर्माता सुकुमार फिल्म की शूटिंग तय समय पर खत्म करने के लिए काफी तेजी से काम कर रहे हैं। 'पुष्पा 2' का प्रचार शुरू करने की भी तैयारियां जोर-शोर से हो रही हैं। वहीं, इस बीच अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। पहले ही फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया था। अब एक बार फिर ऐसे संभावनाएं लग रही हैं। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' 6 दिसंबर, 2024 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि फिल्म की रिलीज की तारीख में फिर से बदलाव होने की संभावना है, लेकिन इस बार निर्माता सिनेमाघरों जल्दी पहुंचने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स को सच माना जाए तो 'पुष्पा 2: द रूल' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। आज यानी 24 अक्तूबर को आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। पिछले एक साल में पुष्पा 2: द रूल की रिलीज डेट में कई बदलाव हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माताओं ने गुरुवार 24 अक्तूबर को हैदराबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। कहा जा रहा है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी। 'पुष्पा 2: द रूल' 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली थी और फिर इसे 15 अगस्त तक बढ़ा दिया गया। शूटिंग में देरी के कारण, निर्माताओं को फिल्म की रिलीज की तारीख फिर से बदलनी पड़ी। अगर, पुष्पा 2 की रिलीज टल जाती है तो यह अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए खुशखबरी पर देखने के लिए तीन साल का इंतजार करना पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'पुष्पा 2' 500 करोड़ रुपये के बजट पर बनी सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। इस एक्शन ड्रामा में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। जगदीश प्रताप बंडारी, जगपति बाबू, प्रकाश राज, अनसूया भारद्वाज, राव रमेश और कई अन्य सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं। मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा निर्मित, फिल्म की तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर मिरोस्लाव कुबा ब्रोजेक, संपादक नवीन नूली और संगीतकार देवी श्री प्रसाद शामिल हैं।

मैं हूं ना की कास्टिंग से पहले जायेद से पूछा गया था अजीब सवाल, किंग खान का व्यवहार लगा अच्छा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'मैं हूं ना' सुपर डुपर हिट रही थी। बतौर निर्देशक फराह खान की यह पहली फिल्म थी। इस फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन, जायद खान और सुनील शेट्टी ने अभिनय किया था।मैं हूँ ना भले ही ब्लॉकबस्टर रही हो, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जायद खान की कास्टिंग की कहानी थोड़ी ड्रामा के साथ आई है। एक इंटरव्यू के दौरान जायद खान ने बताया कि उन्हें फिल्म मैं हूं ना कैसे मिली। फिल्म की शूटिंग से पहले बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने कास्टिंग फाइनल करने से पहले जायेद से एक बहुत ही सीधा सवाल पूछा कि क्या आप अभिनय कर सकते हैं? जायद ने कहा कि पहले तो उस समय उन्हें थोड़ा दुख हुआ था, लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया और फिर जायेद इस फिल्म का हिस्सा बन गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंटरव्यू के दौरान, जायद खान ने याद किया कि कैसे फराह खान ने उन्हें शाहरुख खान के ऑफिस में मिलने के लिए कहा था। उन्होंने बताया कि जब जायेद ऑफिस पहुंचे, तब ठफराह मेरी तरफ देखती हैं और मैं उनसे कहता हूं कि 'मुझे नहीं पता कि मैं यहां क्यों हूं लेकिन...

वह कहती है 'बस दो मिनट के लिए चुप हो जाओ'। मुझे लगा कि वह बहुत गुस्से हैं। मैं बातचीत करने की पूरी कोशिश कर रहा था तभी अचानक शाहरुख अंदर आ गए। वह हमेशा की तरह शाहरुख हैं, बहुत प्यारे, बहुत प्यारे, बहुत अच्छे व्यवहार वाले और नेक दिल इंसान हैं। जायद खान ने याद किया कि शाहरुख खान के साथ मीटिंग के दौरान, वह शाहरुख की हर बात को बेहद ध्यान से सुन रहे थे और सबकुछ समझने की कोशिश कर रहे थे। जब शाहरुख ने जायेद को बताया कि वे उन्हें मैं हूं ना में सेकंड लीड रोल ऑफर कर रहे हैं। तो जायेद बेहद खुश हो गए। जायद ने याद किया, ठमैं किंग खान को देखकर जब कुछ नहीं कह सका तो उन्होंने सिर्फ एक सवाल पूछा कि 'क्या तुम एक्टर हो, एक्टिंग कर सकते हो?' जायेद ने कहा, "मुझे बड़ा बुरा लगा कि ऐसे मुझसे किसी ने ऐसी बात की। मैंने कहा कि मैं एक्टिंग करने के लिए ही पैदा हुआ हूं।

गजनी 2' से धूम मचाने को तैयार आमिर खान और सूर्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'गजनी 2' पर आधिकारिक रूप से काम शुरू हो गया है और हर नए अपडेट के साथ फैंस का उत्साह चरम पर पहुंच रहा है। वहीं, अब फिल्म को लेकर दर्शकों को अन्य दिलचस्प जानकारी का इंतजार है। ऐसे में फिल्म को लेकर नया खुलासा हुआ है। 'गजनी 2' को

लेकर नई जानकारी यह है कि आमिर खान और सूर्या कथित तौर पर अपनी 2008 की ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल की शूटिंग एक ही समय पर करने वाले हैं। निर्माता अल्लू अरविंद और मधु मंटेना ने यह निर्णय लिया है, क्योंकि उनका इरादा फिल्म को हिंदी और तमिल दोनों में रिलीज करने का है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य किसी भी संस्करण को 'रीमेक' के रूप में लेबल किए जाने से रोकना है। इससे पहले सूर्या ने पुष्टि की थी कि गजनी 2 पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा, 'गजनी 2 के बारे में अब मुझसे पूछना वाकई आश्चर्यजनक है। लंबे समय के बाद अल्लू अरविंद इस सीक्वल के विचार के साथ आए और कहा कि क्या यह संभव होगा। मैंने कहा निश्चित रूप से सर, हम इस पर विचार कर सकते हैं।

ट्विंकल के साथ फोटो कराने से डिंपल कपाड़िया का इनकार, बोलीं- मैं जूनियर्स के साथ पोज नहीं देती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की अगली फिल्म 'गो नोनी गो' है। बुधवार 23 अक्तूबर को 'मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल' में 'गो नोनी गो' फिल्म का प्रीमियर हुआ। प्रीमियर के दौरान फिल्म की पूरी कास्ट मौजूद रही। डिंपल अपनी बिटिया ट्विंकल खन्ना और दामाद अक्षय कुमार के साथ प्रीमियर में पहुंचीं। इस दौरान पैपराजी ने डिंपल कपाड़िया से बेटी के साथ पोज देने को कहा, जिस पर डिंपल ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने ट्विंकल को 'जूनियर' बताकर पोज देने से मना कर दिया।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है, जो विरल भियानी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी किया गया है। इसमें देखा जा सकता है कि पैपराजी डिंपल से बेटी ट्विंकल के साथ पोज देने के लिए कहते हैं। इस पर दिग्गज अभिनेत्री ने कहा, 'नहीं! मैं जूनियर्स के साथ पोज नहीं देती'। ये कहती हुई डिंपल वहां से चली गईं। वीडियो में डिंपल के पीछे ट्विंकल खन्ना नजर आ रही हैं। डिंपल कपाड़िया के इस तरह इनकार करने पर यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ यूजर्स तो उनकी तुलना जया बच्चन से कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जूनियर्स के साथ खड़े होकर वे बुजुर्ग नहीं दिखना चाहतीं'। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'हर कोई जया बच्चन की तरह बन रहा है'। एक यूजर ने लिखा, 'डिंपल आज भी कितनी खूबसूरत लगती हैं'।फिल्म 'गो नोनी गो' को ट्विंकल खन्ना बना रही हैं और इस फिल्म को लिखा भी उन्होंने है। इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया ने मुख्य भूमिका निभाई है। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है। यह फिल्म ट्विंकल खन्ना की लघु कहानी 'सलाम नोनी अप्पा' से रूपांतरित है और रूढ़ियों को तोड़ने और जीवन को पूरी तरह से जीने पर एक हल्की-फुल्की टिप्पणी के रूप में कार्य करती है।'गो नोनी गो' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने पचास की उम्र में पहुंच चुकी है। जिसकी साथी केवल उसकी बहन है। कहानी में जब एक योग शिक्षक की एंट्री होती है तब यह एक अप्रत्याशित रोमांस को जन्म देता है, जो सामाजिक मानदंडों को चुनौती देता है।

हम जब कुछ ठान लेते हैं, तो भगवान भी रास्ते बना देता है', बोलीं मिस इंडिया निकिता पोरवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ब्यूटी पेजेंट 'फेमिना मिस इंडिया 2024' की विजेता निकिता पोरवाल चुनी गई है। देश की 29 सुंदरियों में से निकिता पोरवाल को मिस इंडिया चुना गया। अपनी इस चीज पर निकिता ने खुशी जताई है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा है कि यह सिर्फ उनका सपना नहीं है, बल्कि यह उनकी किस्मत भी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगर इंसान कुछ ठान ले, तो भगवान भी रास्ते बना देता है। निकिता का कहना है, 'फेमिना मिस इंडिया का जो ये ताज है, इसके मिलने पर ये कहना तो शायद सही नहीं होगा कि ऐसे ही किसी दिन सोचा और मुझे ताज मिल गया, और पता नहीं कैसे मिल गया। इसके पीछे बहुत सारा खून-पसीना, बहुत सारा सब्र और भगवान पर भरोसे के साथ मिला है'। निकिता ने आगे कहा, 'जब आप सपना देखते हैं तो उसमें एक लॉजिक जरूर होता है कि इस वजह से आप ये सपना पूरा नहीं कर सकते। मेरा देखिए तो मैं उज्जैन से थी और किसी ने किया नहीं था मिस इंडिया। मेरे ऊपर उतने लोगों का हाथ नहीं था कि गाइड कर सकें कि मिस इंडिया में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। जब आप ठान लेते हैं तो ऊपर वाला अपने आप रास्ते बनाता जाता है, ऊपर वाले से ऊपर तो कुछ है नहीं'। इस साल अगस्त में निकिता को फेमिना मिस इंडिया मध्य प्रदेश का खिताब भी मिला। मिस इंडिया निकिता पोरवाल ने ग्रेजुएशन तक पढ़ाई की है। उन्हें ड्रामा, पेंटिंग, लेखन और फिल्में देखने का शौक है। ड्रामा के प्रति निकिता की रुचि इतनी है कि उन्होंने नेशनल ही नहीं, इंटरनेशनल स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। निकिता रामलीला में माता सीता और श्रीकृष्ण लीला में राधा का किरदार भी निभा चुकी हैं।

बार-बार अभिनय से ब्रेक लेने पर काजोल की राय, बोलीं- 'हर महिला को यह फैसला लेना चाहिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। काजोल ने अपने शानदार फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, उन्होंने अपने परिवार और बच्चों को अभिनय से ज्यादा प्राथमिकता दी, जिसकी वजब से उन्हें कई बार अभिनय से दूर लंबे ब्रेक भी लिए हैं। एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने अभिनय से ब्रेक लेने के बारे में खुलकर बात की और खुद को सबसे कम काम करने वाली अभिनेत्री बताया।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने कहा, ठअगर आप मेरी फिल्मोग्राफी देखें, तो मैं शायद सबसे कम काम करने वाली अभिनेत्री में से हूं। मेरी मां (दिग्गज अभिनेत्री तनुजा) और दादी (दिवंगत निर्देशक और अभिनेत्री शोभना समर्थ) ने हमेशा मुझसे कहा कि काम आपके जीवन का एक हिस्सा है, न कि आपका पूरा जीवन। मैंने ब्रेक लिया। मैं शादी करना चाहती थी और बच्चे पैदा करना चाहती थी। शुक्र है कि मैं अभी भी काम कर रही हूं और मैं अभी भी बेहद खुश हूं। आगे काजोल ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब तक अच्छा अनुभव रखने के लिए सभी की आभारी हूं।काजोल ने आगे यह भी कहा, मुझे अभिनय विरासत में नहीं मिली। यह हर महिला का काम है। नरगिस, शर्मिला टैगोर की कोई विरासत नहीं थी। मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मेरे वंश की वजह से नहीं है। यह हर उस महिला की विरासत है, जिसने काम किया है। हर महिला को यह फैसला लेना होता है कि अब मैं ब्रेक लूंगी और अगर मैं वापस आना चाहती हूं, तो मैं वापस आऊंगी और अगर वह चाहेगी तो ऐसा कर पाएगी।ठ

वैसे इन दिनों काजोल अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में काजोल के साथ कृति सेनन भी नजर आएंगी। कृति की बतौर निर्माता यह पहली फिल्म है तो वहीं शहीर शेख की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। इस फिल्म में काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह फिल्म एक सीधी-सादी पुलिस अधिकारी को जुड़वां बहनों की कहानी है। काजोल और कृति सेनन की आगामी थ्रिलर फिल्म दो पत्ती 25 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के लिए तैयार है। इसके अलावा उनके पास कई आगामी प्रोजेक्ट शामिल हैं, जिनमें इब्राहिम अली खान के साथ सरजमीन और महारानी - क्वीन ऑफ क्वींस शामिल हैं, जिसमें वह प्रभु देवा और नसीरुद्दीन शाह के साथ अभिनय करेंगी।

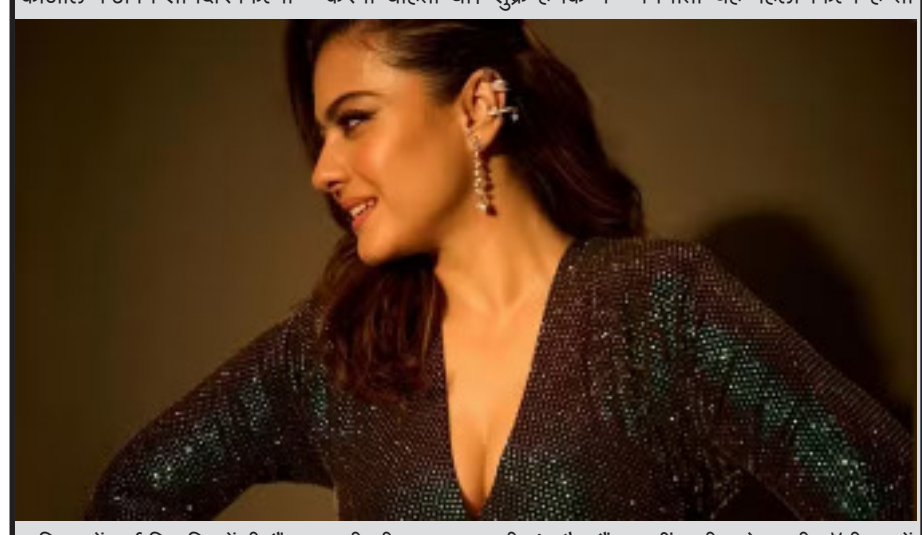

देओल परिवार का हिस्सा बन गया है धर्मेंद्र का ये जबरा फैन, हीमैन ने खुद सुनाया दिलचस्प किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता धर्मेंद्र के चाहने वाले दुनियाभर में हैं। फैंस उन पर जान छिड़कते हैं। हीमैन का एक फैन ऐसा है, जिसके साथ उनका रिश्ता 23 साल पुराना हो गया है और अब वह देओल परिवार का सदस्य बन चुका है। आज धर्मेंद्र ने अपने इसी फैन का जिक्र अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किया है।धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहते हैं और नियमित रूप से पोस्ट साझा करते हैं। वे इस मंच के जरिए फैंस से अपनी पेशेवर और निजी जिंदगी की हर अपडेट साझा करते हैं। अभिनेता इन दिनों छुट्टियां मना रहे हैं। और वे जिस शख्स के साथ छुट्टियां मना रहे हैं, वह कोई और नहीं, उनका जबरा फैन है। धर्मेंद्र ने आज इस फैन से जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा किया है। धर्मेंद्र ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज गुरुवार को एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने फैन के साथ तस्वीर साझा कर लिखा है कि उन दोनों की मुलाकात 23 साल पहले हुई थी और अब वे उनके परिवार का हिस्सा हैं। अभिनेता लिखते हैं, 'दोस्तों! 23 साल पहले अरुण नाम का ये जबरा फैन मिला था। प्यार बढ़ता गया, बढ़ता गया। आज एक फैमिली हो चुके हैं हम'।उन्होंने आगे लिखा, 'अरुण बहुत ही प्यारे इंसान हैं और जिंदादिल हैं। मैं आजकल इन्हीं के साथ छुट्टियां एंजॉय कर रहा हूं'। धर्मेंद्र ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें वे और उनका फैन कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। धर्मेंद्र ने फैन के कंधे पर हाथ रखा हुआ है। इस पोस्ट पर यूजर्स काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ये फोटो तो सुपर से भी ऊपर है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इसे कहते हैं किस्मत, काश हमारा भी नसीब ऐसा होता'।धर्मेंद्र फिल्म इंडस्ट्री में फिर से एक्टिव हैं। 2023 में वे आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आए। इसमें उन्होंने शबाना आजमी के साथ किसिंग सीन देकर खूब सुर्खियां बटोरीं। फिर वे शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर मूवी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में दिखे।

आलिया भट्ट ने ननद रिद्धिमा कपूर को क्यों कहा गॉसिप क्वीन बोलीं- रणबीर से ज्यादा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आलिया भट्ट ने अपनी ननद रिद्धिमा कपूर को सबसे बड़ी गॉसिप क्वीन बताया और फैब्युलस लाइल्स के प्रमोशन के दौरान अपनी ननद के साथ अपने मजेदार रिश्ते का भी खुलासा किया। फैबुलस लाइल्स ऑफ बॉलीवुड वाइल्स के तीसरे सीजन में रिद्धिमा कपूर साहनी, शालिनी पासी और कल्याणी साहा चावला जैसे नए चेहरे सुर्खियों में आए हैं। इस शो के तीसरे सीजन से दिवंगत ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी रियलिटी टेलीविजन की दुनिया में कदम रख रही हैं। एक सफल उद्यमी के रूप में कई सालों के बाद रिद्धिमा अपने परिवार की तरह ही सिनेमा को जारी रखते हुए स्क्रीन पर अपनी शुरुआत कर रही हैं, जिसमें पहले से ही उनका पूरा परिवार शामिल हैं। आलिया ने मजाक में रिद्धिमा को चिढ़ाते हुए उन्हें परिवार की सबसे बड़ी गॉसिप क्वीन कहा। आलिया ने कहा उनकी ननद हर खबर जानती है और अक्सर सबसे मजेदार गॉसिप करती है, जो लगभग हमेशा सच होती है। आलिया ने साझा किया, ठअगर कोई है जो दुनिया की सभी खबरों को जानता है, तो वह रिद्धिमा है। वह सहजता से सबसे बड़ी गॉसिप बम गिराती है, और उसका ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग है। वह रणबीर से भी ज्यादा जानती है! आलिया ने यह भी कहा कि रिद्धिमा ना केवल एक बेहतरीन गॉसिपर हैं, बल्कि एक बेहद दयालु और प्यार करने वाली इंसान भी हैं। आलिया ने चुटकी लेते हुए कहा, वह राहा की सबसे शानदार बुआ हैं। रिद्धिमा की बदौलत मैं दिन में कम से कम 20 बार 'उमा जोशी ये ये ये' गाती हूं। आगे आलिया ने कहा कि रिद्धिमा सिर्फ एक ननद नहीं हैं- वह एक बहन की तरह हैं। मैं अपने जीवन में उन्हें पाकर बहुत धन्य महसूस करती हूं।रिद्धिमा ने अपने भाई रणबीर और उनकी बेटी राहा के साथ घनिष्ठ संबंध के बारे में भी बात की, उन्होंने बताया कि जब भी वह उसे देखते हैं तो उनकी आंखों में चमक आ जाती हैं। उन्होंने बताया, रणबीर, राहा के आस-पास एक बिल्कुल अलग इंसान बन जाता है, उन्होंने आगे बताया कि राहा उन्हें प्यार से बूहा बुलाती है क्योंकि वह अभी भी बुआ कहना सीख रही है।

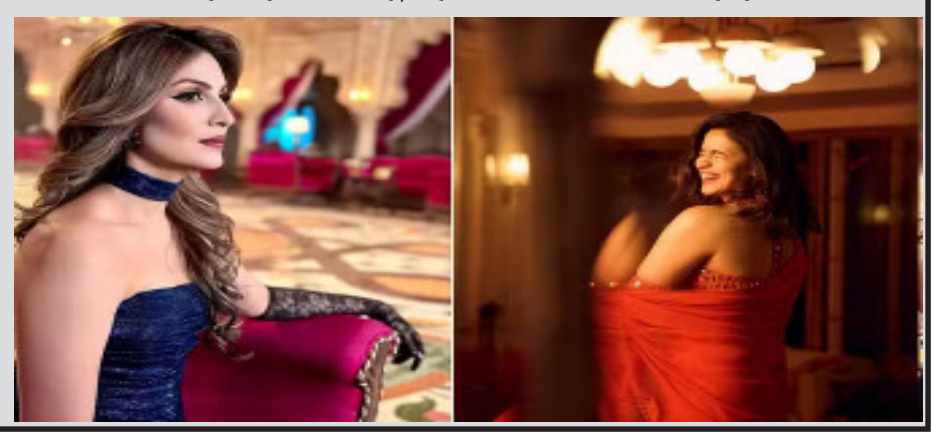

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।